वार्षिक अंक, अप्रेल 2015

पंजी क्रमांक : 5836/26.8.77

अंक - 60

क्रियाशील प्रगति परिषद द्वारा संचालित

नवांकुर की अभिनव पहल -

क्रमशः

Success is the sum of small efforts, repeated day in and day out.

नवांकुर भवन, बरेठ रोड, गंजबासौदा जिला विदिशा (म.प्र.)

website : www.navankurvidyapeeth.org, email: nvpbsd_2007@rediffmail.com

दूरभाष : 07594-221066, 223399, 220769

नवांकुर विद्यापीठ

कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

कु. सुहानी विश्वकर्मा
कक्षा - शिशु 'क'

कु. लक्ष्मी दाँगी
कक्षा - शिशु 'ख'

विवेक दाँगी
कक्षा - एक

विष्णुप्रसाद लोधी
कक्षा - दो

कु. उमाश्री शर्मा
कक्षा - तीन

कु. रितिका कुर्मी
कक्षा - चार

कु. बिपाशा दाँगी
कक्षा - पाँच

कु. रौनक दाँगी
कक्षा - छह

कु. मुस्कान ठाकुर
कक्षा - सात

कु. आस्था दुबे
कक्षा - आठ

कक्षा नौ की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

कु. सोनम रघुवंशी
कक्षा में प्रथम

विकास कुमार दुबे
कक्षा में द्वितीय

सुदीप सिंह दाँगी
कक्षा में तृतीय

कक्षा - 11 (गणित) की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

अमित रघुवंशी
कक्षा में प्रथम

प्रवेन्द्र राजपूत
कक्षा में द्वितीय

अनिकेश दुबे
कक्षा में तृतीय

कक्षा - 11 (जीव विज्ञान) की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

कु. शालिनी रघुवंशी
कक्षा में प्रथम

अंशुल कुर्मी
कक्षा में द्वितीय

कु. दीक्षा दाँगी
कक्षा में तृतीय

कक्षा - 11 (वाणिज्य) की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

कु. श्रद्धा ठाकुर
कक्षा में प्रथम

कु. विशाखा जैन
कक्षा में द्वितीय

कु. कामिनी रघुवंशी
कक्षा में तृतीय

DOLPHIN

Meritorious Students - 2015

Ku. Bipasha Thakur
Std. I - I[st] Rank

Ku. Saloni Vishwakarma
Std. II - I[st] Rank

Ku. Niharika Tiwari
Std. III - I[st] Rank

Ku. Ritika Choudhary
Std. IV - I[st] Rank

Ku. Khushi Raghuwanshi
Std. V - I[st] Rank

Harsh Jain
Std. VI - I[st] Rank

Ku. Kanupriya Mehta
Std. VII - I[st] Rank

Ku. Shilpi Raghuwanshi
Std. VIII - I[st] Rank

Aniruddha Sharma
Std. IX - I[st] Rank

Ku. Sakshi Rai
Std. IX - II[nd] Rank

Piyush Mathur
Std. IX - III[rd] Rank

DOLPHIN

Meritorious Students - 2015

Ku. Nandini Khatik
Nursery - I[st] Rank

Kratik Shamra
Nursery - I[st] Rank

Rudransh Kushwaha
Nursery - I[st] Rank

Ku. Vaishnavi Rajpoot
Nursery - I[st] Rank

Ku. Manya Jakate
Nursery - I[st] Rank

Ku. Meenal Jain
Nursery - I[st] Rank

Ku. Nandini Raghuwanshi
Nursery - I[st] Rank

Ku. Soumya Dubey
Nursery - I[st] Rank

Ku. Koshaki Dubey
Nursery - I[st] Rank

Abhijit Sarkar
Nursery - I[st] Rank

Ku. Preeti Raghuwahsi
Nursery - I[st] Rank

Naitik Chaturvedi
Nursery - I[st] Rank

Ku. Tanushri Agrawal
K.G.-I - I[st] Rank

Akshay Gurjar
K.G.-I - I[st] Rank

Ku. Khushi Dangi
K.G.-I - I[st] Rank

Ku. Nimisha Tiwari
K.G.-II - I[st] Rank

अंक : 60

नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

क्रमशः

वार्षिक अंक, अप्रैल 2015

अन्दर के पृष्ठों पर

- सम्पादकीय 2
- अतिथि लेख 2
- स्कूल-इन्फो 3
- रासेयो गतिविधि 11
- साहित्य सृजन 15
- सम-सामायिक 20
- परीक्षा-परिणाम 24
- डॉल्फिन 32
- शिक्षक की कलम 33
- बच्चों की कलम 34

वार्षिक परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ एवं शुभाशीष!!!

सम्पादक मण्डल

सलाहकार एवं मार्गदर्शक .....**शैलेन्द्र कुमार पिंगले**

प्रधान सम्पादक ..... **सन्दीप रावत**

सह-सम्पादक ..... **सुनील भावसार**

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो व पाठको,

क्रमश: का एक और नवीन अंक आपके हाथों में है। क्रमश: का यह अंक बेहद रोचक इसलिए भी हो जाता है, क्योंकि यह आपकी वार्षिक उपलब्धियों के साथ-साथ परीक्षा-परिणाम भी लेकर आया है। सभी सफल विद्यार्थियों को सफलता की हार्दिक शुभकामनाएँ! विद्यालय-परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है, पर किसी कवि ने लिखा है -

कुछ करके दिखा दिया कि अभी काम बहुत है,
इस जहाँ में जीतने वाले मुकाम बहुत हैं,
मुकम्मल शख्स वही है, जो दुनिया बदल डाले,
वरना रोज मर-मिटने वाले, नाम बहुत हैं।

इसलिए विद्यार्थियों, पुरानी सफलता से उत्साह लेकर आगामी परीक्षाओं के तैयारी की योजना बनाइये। जो विद्यार्थी असफल हो गये हैं, वे निराश न हों, अपनी कमियों को पहचानें, उन्हें दूर करें और सार्थक प्रयास करें। सफलता खुद-ब-खुद आपके पास चलकर आयेगी, क्योंकि-

नजर को बदलो, तो नजारे बदल जाते हैं,
सोच को बदलो, तो सितारे बदल जाते हैं
बेवजह कश्तियाँ बदलने की जरूरत नहीं,
दिशा को बदलो, किनारे खुद-ब-खुद बदल जाते हैं।

इसलिए अपने काम करने के ढंग को बदलिये, सफलता अवश्य मिलेगी। हमारे इस अंक में हम समसामायिकी के साथ -साथ विद्यालय की वार्षिक गतिविधियों से आपको परिचित करा रहे हैं। साथ ही, नगर के कुछ साहित्यकार एवं उनकी कृतियों से आपको परिचित करा रहे हैं। कुछ कैरियर-मार्गदर्शन व अन्य बहुत-सी जानकारियाँ इस अंक में समाहित की गयी हैं। आपको यह अंक पसन्द आयेगा।

ऐसी आकांक्षा में आपके सुझावों व विचारों के इन्तज़ार में ..

आपका
सन्दीप रावत
सम्पादक-क्रमश:

अतिथि-लेख

प्रिय विद्यार्थियो,

हमेशा की ही तरह क्रमश:का वार्षिक अंक अपनी नयी विशेषताओं के साथ आपके हाथों में है, हो सकता है आप में से अधिकांश बच्चे मुझसे परिचित न हों, परन्तु मुझे आज आप सबको यह बताने में जरा भी संकोच या झिझक नहीं है कि मैंने अपने अभी तक के जीवन का स्वर्णिम समय या यूँ कहूँ कि अपना सर्वश्रेष्ठ समय नवांकुर विद्यापीठ में बिताया है। जुलाई 2003 से लेकर अगस्त 2006 तक का वह अद्भुत समय मैं कभी नहीं भूल सकता। प्राचार्य महोदय, श्री दीक्षित जी का असीम स्नेह व मार्गदर्शन, सभी सह शिक्षकों का हृदयस्पर्शी सहयोग और बहुत ही प्यारे प्रतिभाशाली बच्चों का स्नेह, अहा ! कितना खूबसूरत था वह वक्त और यह मेरा सौभाग्य ही था कि रजत जयन्ती-वर्ष में मैं नवांकुर का हिस्सा था और लाहौरी जी के नेतृत्व में कितनी अद्भुत रैली की संरचना की थी हम सबने। सच, आज भी कभी मेरे कानों में नवांकुर का केवल नाम ही सुनायी दे जाता है, तो संगीत-सा हृदय में बजने लगता है और नवांकुर की यूनिफॉर्म पहने जब बच्चे दिखायी देते हैं, तो लगता है मानो मेरे परिवार के ही वे सदस्य हों। मेरा यह लेख पढ़कर कुछ लोगों को लग सकता है कि अचानक मुझे नवांकुर की याद कैसे आयी, पर सच कहूँ, तो नवांकुर मेरी यादों से कभी गया ही नहीं। आचार्य जी का अनुशासन व समस्त स्टाफ की कर्मठता, मुझे आज भी अपने-कार्य क्षेत्र में प्रेरणा देती रहती है।

नवांकुर विद्यापीठ मेरे दृष्टिकोण में एक बेहतरीन अनुशासित और सम्पूर्ण संस्था है, जैसे एक आदर्श विद्यालय की कल्पना की जा सकती है। वर्तमान में नवांकुर में पढ़ रहे सभी विद्यार्थियों को मेरी शुभकामनाएँ हैं। आने वाली परीक्षा में वे रिकार्ड बनाते हुए जिले एवं प्रदेश-स्तर तक अपनी पहुँच बनायें और मेरा प्यारा नवांकुर हमेशा इसी तरह उत्तरोत्तर उन्नति के नये शिखरों को छूता हुआ विश्व-पटल पर नालन्दा और तक्षशिला जैसी छाप छोड़े, ऐसी अभिलाषा है।

शेष अगली मुलाकात में.....

पंकज शर्मा प्रखर
पूर्व सम्पादक क्रमश:
(वर्तमान में शासकीय कन्या उ.मा. कुरवाई में कार्यरत)

स्कूल इन्फो

नवांकुर ने की प्रदेश-स्तरीय बैठक में भागीदारी

हाल ही में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा होटल पलाश, भोपाल में एक प्रदेश-स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अशासकीय शिक्षण संस्थाओं द्वारा ली जाने वाली फीस नियन्त्रण के सम्बन्ध में रखी गई। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा) श्री मोहन्ती जी, आयुक्त शिक्षा विभाग श्री डी.डी.अग्रवाल एवं प्रदेश के चयनित अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे। विदिशा जिले से मात्र दो विद्यालय - ट्रिनिटी

कॉन्वेन्ट, विदिशा एवं नवांकुर विद्यापीठ के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सभी विद्यालयों में आर.टी.ई. के प्रावधानों के अनुसार व्यवस्था होनी चाहिये, विद्यालयों में संसाधनों के न्यूनतम व अधिकतम मानक तय किये जाने चाहिये, संस्था के विभिन्न संस्था का स्वामित्व होना चाहिये। विद्यालय की अधोसंरचना के अनुसार शुल्क का निर्धारण किया जाना चाहिये। शासन को समय-समय पर यह भी देखना चाहिये कि कुल आय का 65 प्रतिशत कर्मचारियों के वेतन में, 25 प्रतिशत संस्था के संसाधनों के विस्तार में एवं 10 प्रतिशत अन्य आवृत्ति के व्यय में व्यय होना चाहिये। शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात 1:35 से अधिक नहीं होना चाहिये। बिना रसीद के किसी प्रकार की फीस लेना प्रतिबन्धित होना चाहिये, तभी शासन के द्वारा की गयी इस पहल से शिक्षा व्यवसायीकरण से दूर होकर लोकव्यापीकरण एवं उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होगी जो छात्र-हित व समाजहित के लिये सर्वथा उपयुक्त है। प्राचार्य महोदय के इस पक्ष को सभी उपस्थितजनों द्वारा सराहा गया।

नवांकुर के 3 तथा डॉल्फिन के 2 छात्रों को विज्ञान मन्थन यात्रा में छात्रवृत्ति की पात्रता

नवांकुर की कक्षा 8के तीन विद्यार्थियों आशीष अहिरवार, कु. अपूर्वा रघुवंशी तथा कु. आस्था दुबे तथा डॉल्फिन के कक्षा 10 में अध्ययनरत, दो छात्रों अभिषेक दाँगी एवं नितिन रिछारिया ने आठवीं विज्ञान-मन्थन-यात्रा के दौरान छात्रवृत्ति की पात्रता हासिल करके विद्यालय एवं नगर का नाम रौशन किया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी परिषद द्वारा प्रतिवर्ष कक्षा 8 से 12 तक के मेधावी छात्र-छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में प्रेरित करने के उद्देश्य से विज्ञान-मन्थन-यात्रा का आयोजन किया जाता है और विद्यार्थियों को भारत के वैज्ञानिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है। इस यात्रा के उपरान्त परिषद द्वारा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के 100 छात्रों का चयन विज्ञान उत्कृष्ट टेस्ट के आधार पर छात्रवृत्ति के लिये किया जाता है। इस छात्रवृत्ति के अन्तर्गत कक्षा 10 तक अध्ययनरत छात्रों को 500 रुपये प्रतिमाह प्रदान किये जाते हैं। यह छात्रवृत्ति निरन्तर पाँच वर्षों तक छात्र के अध्ययन के दौरान प्रदान की जाती है। गौरतलब है कि नवांकुर विद्यापीठ के पूर्व सत्रों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएँ भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

सम्भाग-स्तरीय एवं राज्यस्तरीय बालरंग-प्रतियोगिता में नवांकुर के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

दिनांक 20.12.2014 को सम्भाग-स्तरीय बालरंग- प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में किया गया। बालरंग-प्रतियोगिता में सम्भाग-स्तरीय प्रतियोगिता के लिए नवांकुर विद्यापीठ व डॉल्फिन स्कूल से कुल 18 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए, जिनमें डॉल्फिन के कनिष्ठ वर्ग में छात्र आर्यन भारद्वाज, कक्षा 8 को प्रश्न मंच में प्रथम स्थान, कु. हेमारानी शर्मा, कक्षा 7 स्वरचित काव्य-पाठ में द्वितीय स्थान एवं अनन्य दीक्षित कक्षा 6को तबला वादन में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में नवांकुर के कनिष्ठ वर्ग के छात्र विकास गुप्ता, कक्षा 8 को साहित्यिक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, कु. आस्था दुबे, कक्षा 8 को सुगम संगीत में द्वितीय स्थान, मुदित दुबे, कक्षा 8 को वेद-पाठ में द्वितीय स्थान, कु.तनु ठाकुर, कक्षा 8 को संस्कृत भाषण में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं वरिष्ठ में साहिल राजपूत, कक्षा 11 को तबला-वादन में तृतीय स्थान, कु. नन्दिनी दुबे कक्षा 11 को वेद-पाठ में तृतीय स्थान, कु. चंचल भारद्वाज, कक्षा 12 को सहभागिता का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्र दल का नेतृत्व विद्यालय के शिक्षक रामकिशन राठौर, वासुदेव शर्मा एवं डॉल्फिन की शिक्षिका कु. नीतू लोधी ने किया। सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

दिनांक 9.1.2015 को इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में राज्य-स्तरीय-बालरंग-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नवांकुर के चार और डॉल्फिन के पाण्डे, कक्षा 8 (निबंध), आर्यन भारद्वाज, कक्षा 8 (प्रश्नमंच), हर्ष दिवाकर, कक्षा 9 (केलियोग्राफी) ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इन छात्र-छात्राओं ने सम्भाग-स्तरीय-बालरंग-प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके राज्य-स्तरीय- प्रतियोगिता में सहभागिता करने की पात्रता हासिल की थी। उपर्युक्त छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन नवांकुर के विद्यालय के आचार्य श्री वासुदेव शर्मा और डॉल्फिन स्कूल की शिक्षिका कु. नीतू लोधी ने किया।

सांस्कृतिक गतिविधि के अन्तर्गत
आकर्षक प्रस्तुति देते नवांकुर के विद्यार्थी

खो-खो, योग, शतरंज तथा डॉजबॉल में राज्यस्तर पर नवांकुर के छात्रों ने दस्तक दी

दिनांक 11.08.2014 से 13.08.2014 तक सारंगपुर में सम्भाग-स्तरीय खो-खो-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नवांकुर एवं डाल्फिन के 11 छात्रों ने भाग लिया, जिनके नाम हैं - कु. पूजा लोधी, कक्षा 11, विशाल वर्मा, कक्षा 11, कु. निधि शर्मा, कक्षा 12, कु. अंजलि नामदेव, कक्षा 7, कु. अंकिता शर्मा, कक्षा 8, कु. श्रद्धा दुबे, कक्षा 8, कु. काजल नामदेव , कक्षा 8, कु. हेमारानी शर्मा, कक्षा 7, कु. निधि शर्मा, कक्षा 11, अर्पित राजपूत, कक्षा 8, कु. ऋचा लोधी, कक्षा 11। जूनियर वर्ग में कु. काजल नामदेव, कक्षा 7 का चयन राज्य-स्तर के लिए किया गया।

यह प्रतियोगिता 24.08.2014 से 29.08.2014 तक सारंगपुर में आयोजित की गयी तथा सीनियर वर्ग में विशाल वर्मा-12, कु. पूजा लोधी-11, कु. निधि शर्मा-11 का चयन राज्य-स्तर के लिए किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 31.08.2014 से 05.09.2014 तक उज्जैन में किया गया। विद्यालय के क्रीड़ा-प्रभारी श्री विजय शर्मा इस दल के नायक थे।

दिनांक 29 व 30.09.2014 को भोपाल में सम्भाग स्तरीय योग-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नवांकुर के 7 छात्रों ने भाग लिया, जिनके नाम हैं- कु. दीक्षा आदिवासी, कक्षा 12, कु. ज्योति आदिवासी, कक्षा 12, कु. पलक गुप्ता, कक्षा 12, कु.सोनम बघेल, कक्षा 11, कु. आयुषी समैया, कक्षा 10, सौरभ राठौर, कक्षा 12, अमन पाठक, कक्षा - 12, जिनमें से कु. दीक्षा आदिवासी, कक्षा 12, कु. ज्योति आदिवासी, कक्षा 12, कु. पलक गुप्ता, कक्षा 12, सौरभ राठौर, कक्षा 12 तथा अमन पाठक, कक्षा 12 का चयन राज्य-स्तर के लिए किया गया।

इस प्रतियोगिता का आयोजन 15.10.2014 से 20.10.2014 तक अशोक नगर में किया गया, जिसकी दल-नायिका विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव थीं।

दिनांक 7 एवं 08.10.2014 को भोपाल में सम्भाग-स्तरीय शतरंज-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नवांकुर एवं डॉल्फिन के 14 छात्र-छात्राओं ने श्रीमती रेणु श्रीवास्तव के नेतृत्व में भाग लिया। छात्रों के नाम इसप्रकार हैं- कु. आज्ञा जेतली, कक्षा 11, कु. शिवानी राय, कक्षा 11, कु. अदिति तोमर, कक्षा 11, कु. साक्षी राय, कक्षा 10, कु. दीक्षा दाँगी, कक्षा 9, कु. साक्षी राय, कक्षा 9, कु. श्रेया शिरढोणकर, कक्षा 8, कु. अंकिता राय, कक्षा 7, कु. दिव्या श्रीवास्तव, कक्षा 6, अंकित दिवाकर, कक्षा 9, अभिषेक दाँगी, कक्षा 10, आयुष रघुवंशी, कक्षा 9, वंश रघुवंशी, कक्षा 8, आदेश जेतली, कक्षा 11, जिनमें से कु. श्रेया शिरढोणकर, कक्षा 8 तथा कु. शिवानी राय, कक्षा 11 का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26.10.2014 से 31.10.2014 तक छिन्दवाड़ा में किया गया। इस दल का नेतृत्व विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती ममता शर्मा ने किया।

दिनांक 27.09.2014 को मण्डीदीप में सम्भाग-स्तरीय डॉजबॉल-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नवांकुर के 3 छात्रों ने भाग लिया, जिनके नाम हैं- कु. पूजा रघुवंशी, कक्षा 12, कु. सोनिका बघेल, कक्षा 11, यशपाल रघुवंशी, कक्षा 11, जिनमें से यशपाल रघुवंशी, कक्षा 12 व कु. पूजा रघुवंशी, कक्षा 12 का चयन राज्य-स्तर के लिए किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 09.10.2014 से 14.10.2014 तक कुक्षी में किया गया।

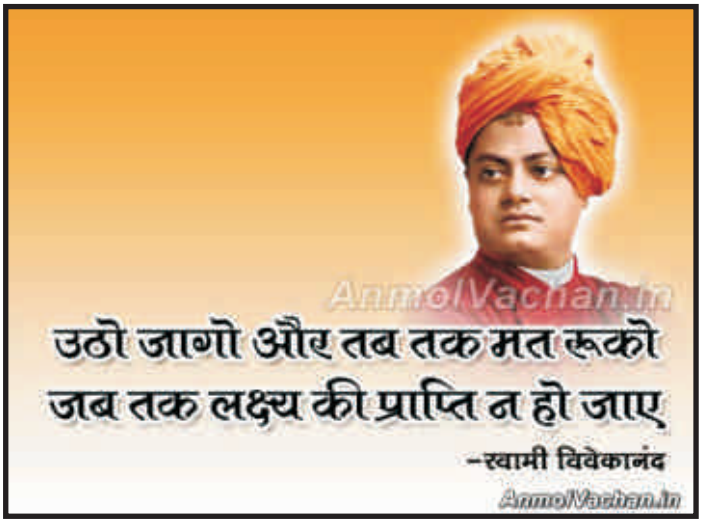

नवांकुर के 2 व डॉल्फिन के 5 स्काउट शिक्षा मन्त्री द्वारा पुरस्कृत

दिनांक 26.12.2014 से 30.12.2014 तक गाँधी नगर, भोपाल में आयोजित राज्यपाल–पुरस्कार शिविर में नवांकुर के 2 व डॉल्फिन के 5 छात्रों को, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित, मध्य प्रदेश के शिक्षामन्त्री माननीय श्री पारस जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

ये छात्र हैं – नवांकुर की कक्षा 10 के छात्र रामकिशन राठौर, पुत्र श्री दीवान सिंह, सन्दीप दाँगी पुत्र भीकम सिंह तथा डॉल्फिन के कक्षा 10 के दात्र अक्षत शर्मा पुत्र श्री रमेश शर्मा, नितिन रिछारिया पुत्र श्री अनिल रिछारिया, सोमिल जैन पुत्र श्री मनोज कुमार जैन, अक्षय तिवारी पुत्र श्री मनोज तिवारी, अमन साहू पुत्र श्री राजू साहू।

उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त छात्रों ने राज्यपाल–जांच–परीक्षा उत्तीर्ण की थी, जिसका परीक्षण शिविर 13.10.2014 से 17.10.2014 तक गाँधी नगर, भोपाल में आयोजित किया गया था। इस शिविर में प्रदेश के कुल 119 स्काउट सम्मानित हुए, लेकिन 70 स्काउट ही शिविर में उपस्थित हुए। अब ये स्काउट राष्ट्रपति पुरस्कार की तैयारी करेंगे। उपर्युक्त स्काउट्स की उपलब्धि में विद्यालय के स्काउट प्रभारी श्री रामबाबू पांचाल की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

अरुन्धती–पुरस्कार २०१४

विद्यालय की पूर्व छात्रा श्रीमती श्रद्धा टिल्लू (शिरढोणकर) द्वारा अपनी सासूमाँ परम–आदरणीया स्व. श्रीमती अरुन्धती टिल्लू की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष उ. मा. विभाग में अध्ययनरत् मेधावी व जरूरतमन्द छात्रा को प्रतिवर्ष रुपये 2000/–देने की घोषणा की गयी है। अरुन्धती–पुरस्कार– 2014 के लिए विद्यालय की छात्रा कु. दीपा चौरसिया का चयन किया गया है।

कु. दीपा चौरसिया को दिनांक 18.10.2014 को स्व. श्रीमती अरुन्धती टिल्लू की पुण्य–स्मृति में अरुन्धती–पुरस्कार–2014 से सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबन्ध–समिति ने श्रीमती श्रद्धा टिल्लू की ओर से प्राप्त 2000/– रु. की राशि से छात्रा को सम्मानित किया।

बासौदा विधायक की नयी पहल, छात्रों से संवाद करके समस्याएँ जानी

दिनांक 16.10.2014 को स्थानीय विधायक माननीय श्री निशंक जैन नवांकुर विद्यालय में पधारे और छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करके उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कमलसिंह नरवरिया, अनन्दी कुशवाह, पवन रिछारिया, ब्रजेश लोधी, गगन दुबे तथा दैनिक जागरण के पत्रकार रविन्द्र जैन तथा नवांकुर-परिवार के सभी सदस्य और 1000 से अधिक विद्यार्थी विद्यालय-प्रांगण में उपस्थित थे। विधायक महोदय ने इस दौरान छात्रों से सीधा संवाद किया। करीब 100 विद्यार्थियों ने अपनी समस्याएँ विधायक के सामने रखीं, जिनमें से प्रमुख समस्याएँ छात्राओं की सुरक्षा से सम्बन्धित थीं। नवांकुर के चारों तरफ सड़क निर्माण न होना, दोपहर में छुट्टी के समय बरेठ रोड पर भारी वाहनों का आवागमन, कन्या महाविद्यालय का नगर के बाहर होना तथा आवागमन के लिए वाहन-सुविधा उपलब्ध न होना, रात्रि में स्ट्रीट लाइट की असुविधा होना तथा स्वास्थ्य-

सुविधाओं से सम्बन्धित समस्याएँ छात्र-छात्राओं ने विधायक महोदय के सामने रखीं। कुछ छात्रों ने ऐसी समस्याएँ विधायक महोदय के सामने रखीं, जिन्हें सुनकर वे हतप्रभ रह गये। इस दौरान छुलैटा, मढ़िया सेमरा, महोली, नन्दूपुरा, बरेठ आदि ग्रामों के (विद्यालय में अध्ययनरत) ग्रामीण छात्रों ने अपने क्षेत्रों की समस्याएँ भी विधायक महोदय के सामने रखीं, जिनका विधायक महोदय ने शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया। विधायक महोदय ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि नवांकुर की उत्तरी दिशा में नवांकुर ने अपने खर्चे से सड़क का निर्माण करवाया। उन्होंने नवांकुर की मासिक पत्रिका क्रमशः के सितम्बर माह के अंक का विमोचन किया तथा राज्य-स्तरीय डॉजबॉल में भागीदारी करने वाले छात्र यशपाल सिंह रघुवंशी, कक्षा 12 और कु. पूजा रघुवंशी कक्षा 12 के लिए 50 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा की। विद्यालय के शिक्षक सन्दीप रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा शैलेन्द्र कुमार पिंगले ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नवांकुर के दो प्रोजेक्ट बाल-विज्ञान-कांग्रेस के अन्तर्गत राज्य-स्तर के लिए चयनित

बाल-विज्ञान कांग्रेस के अन्तर्गत विदिशा के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला-स्तरीय 20 प्रोजेक्ट्स का प्रस्तुतीकरण जूनियर और सीनियर-स्तर पर किया गया, जिनमें से नवांकुर के दो प्रोजेक्ट्स का चयन राज्य-स्तर के लिए किया गया है। चयनित प्रोजेक्ट्स में पहला प्रोजेक्ट 'मौसम का कृषि पर प्रभाव' विषय पर आधारित था, जिसे कक्षा 11 के छात्र-छात्राओं - कु. प्रिया शर्मा, कु. रोशनी रघुवंशी, प्रवेन्द्र राजपूत, सत्यम तिवारी और कु. रिया रघुवंशी ने मिलकर प्रस्तुत किया। दूसरा प्रोजेक्ट 'मौसम का भूमि पर प्रभाव' विषय पर आधारित था जिसे डॉल्फिन स्कूल के कक्षा 9 के छात्र-छात्राओं - आयुष यादव, अमन रघुवंशी, अनिरुद्ध शर्मा, पीयूष माथुर और हर्ष दिवाकर ने मिलकर बनाया था।

मित्र-योजना में 10,555 रुपये की राशि अब तक प्राप्त हुई

शिक्षण-सत्र 2014-15 में मित्र-योजना के लिए शिक्षक-दिवस के अवसर पर कक्षा 12 (वाणिज्य द्वितीय) के छात्रों ने 1001 रुपये की सहयोग-राशि प्रदान की। इसी प्रकार कक्षा 9 के छात्रों द्वारा 150, कक्षा 12 (वाणिज्य-प्रथम) के छात्रों द्वारा 920 तथा उनके कक्षाध्यापक श्री शैलेन्द्र कुमार पिंगले द्वारा उनकी कक्षा के कुल प्राप्त योग के बराबर 920 रुपये, कक्षा 11 (वाणिज्य-प्रथम) के छात्रों द्वारा 300+200, कक्षा 10 द के छात्रों द्वारा 501 रुपये, कक्षा 9 फ के छात्रों द्वारा 301, कक्षा 12 (जीवविज्ञान) के छात्रों द्वारा 820, कक्षा 12 (गणित-प्रथम) के

छात्रों द्वारा 1800 रुपये, कक्षा 9 फ के छात्र शक्ति विश्वकर्मा द्वारा 101 रुपये, कक्षा 10 अ के छात्रों द्वारा 681 रुपये, कक्षा 10 अ की छात्रा कु. अंजलि रघुवंशी द्वारा 101 रुपये, कक्षा 10 सी के छात्रों द्वारा 811 रुपये, कक्षा 12 (गणित-द्वितीय) के छात्रों द्वारा 755, कक्षा 9 द के छात्रों द्वारा 471, कक्षा 12 (गणित×तृतीय) के छात्रों द्वारा 201 तथा कक्षा 9 स के छात्रों द्वारा 521 रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गयी। इस प्रकार कुल अब तक 10,555 रुपये की सहयोग-राशि प्राप्त हुई, जिससे डॉल्फिन तथा नवांकुर के निर्धन छात्र-छात्राओं हेतु 22 स्वेटर, तीन छात्रों हेतु शूज व 14 छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म क्रय की गयी।

उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से विद्यालय में मित्र-योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसमें छात्र-छात्राएं अपनी इच्छानुसार सहयोग-राशि प्रदान करते हैं। इस सहयोग-राशि से उन निर्धन छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म, जूते, मोजे और बैग तथा कॉपियाँ आदि खरीदकर प्रदान की जाती हैं, जो स्वयं नहीं खरीद सकते। वर्तमान में इस योजना का संचालन विद्यालय के शिक्षक लख्मीचन्द साहू द्वारा कुशलतापूर्वक किया जा रहा है।

डॉल्फिन और नवांकुर के छात्रों के लिए कैरियर प्रकोष्ठ द्वारा आयोजन

दिनांक 19 एवं 20.12.2014 को नवांकुर-परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में डॉल्फिन स्कूल एवं नवांकुर विद्यापीठ के कक्षा 10 से 12 के छात्र-छात्राओं के लिए एक (दो दिवसीय) कैरियर मार्गदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया] जिसमें बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय में आई.आई.टी. (सिविल-ब्रांच-तृतीय वर्ष) में अध्ययनरत एवं नवांकुर के पूर्व छात्र गोविन्द सिंह रघुवंशी ने छात्र-छात्राओं को आई.आई.टी. में कैरियर मार्गदर्शन से सम्बन्धित अनेक बातों की जानकारी दी। उन्होंने जेईई, एआईईईई, बी.टेक. (एग्रीकल्चर), इन्जीनियरिंग, आई.टी., फूड-टेक्नोलॉजी, डेरी-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कैरियर की सम्भावनाओ के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न कैरियर केन्द्रित पाठ्यक्रम में किस प्रकार प्लानिंग कर सकते हैं। आपने यह भी कहा कि छात्रों को विषय को रटने की अपेक्षा विषय को समझने पर अधिक ध्यान देना चाहिये। उन्होंने अपने कुछ अनुभव भी छात्र-छात्राओं को सुनाये जिससे छात्र-छात्रायँ लाभान्वित हुए। उन्होंने छात्र-छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिये। विद्यालय के प्राचार्य शैलेन्द्र दीक्षित ने अपने सम्बोधन में छात्रों को सभी प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक गण भी उपस्थित थे। विद्यालय के आचार्य सन्दीप रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

नवांकुर व डॉल्फिन के विद्यार्थियों द्वारा विदाई समारोह आयोजित

फरवरी माह में नवांकुर व डॉल्फिन के विद्यार्थियों द्वारा अपने सीनियर्स के लिए विदाई समारोह रखा गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने सीनियर भाई-बहिनों के लिए पुरस्कार भेंट किये। साथ ही स्लोगन, के माध्यम से सीनियर्स को सम्बोधित किया। सीनियर विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताये अपने समय व अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। साथ ही, विद्यालय के शिक्षकों ने भी अपने अनुभवों से सभी को परिचित कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कई मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य महोदय द्वारा सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए शुभकामना-सन्देश पत्र वितरित किये, साथ ही विद्यार्थियों को पुरस्कार भी भेंट किये।

अनमोल वचन

- आसमान तक पहुँचने वाले गुब्बारे अपने रंग-रूप, कुल-जाति के कारण नहीं वरन् भीतर भरी जाने वाली आन्तरिक ऊर्जा के कारण ऊँचाइयों को छूते हैं।
- ज़बान की कड़वाहट दूर कीजिए, वह लाठी से ज्यादा घातक होती है। लाठी से हड्डियाँ टूटती हैं, पर कड़वी ज़बान से तो रिश्ते ही टूट जाते हैं।

बाल दिवस पर नवांकुर में हुआ बाल भोज

विद्यालय में पण्डित जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस (बालदिवस) पर संस्था के 4000 छात्र-छात्राओं के लिए बाल भोज कराया गया। बालरंग-उत्सव के अन्तर्गत संस्था के तीन परिसरों में अलग-अलग विभागों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्य-भवन परिसर में हाईस्कूल, हायर सेकण्डरी विभाग, विस्तार-भवन- परिसर में माध्यमिक विभाग एवं डॉल्फिन केम्पस में डॉल्फिन के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

प्राथमिक विभाग के नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अनेक रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं साथ ही फैंसी ड्रेस- प्रतियोगिता में भी बच्चों ने प्रस्तुतियाँ दीं। डॉल्फिन के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य, गीत-गायन एवं नाटकों ने लोगों को मन्त्र-मुग्ध कर दिया। माध्यमिक विभाग के छात्र-छात्राओं ने नृत्य, नाटक के मंचन से समाँ बाँध दिया।

हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी एवं राष्ट्रीय सेवा-योजना के छात्र-छात्राओं ने पण्डित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उद्गार व्यक्त किये एवं विविध विषयों पर भाषण-गीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किये। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रश्नमंच का आयोजन किया गया, जिसमें मंच से सीधे प्रश्न पूछकर सही उत्तर बताने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री सन्दीप रावत ने किया। कार्यक्रम के पश्चात् भारतीय पद्धति के अनुरूप सभी नन्हें-मुन्ने छात्रों के साथ-साथ संस्था के सभी छात्रों को पंक्तिबद्ध बैठाकर बाल-भोज कराया गया। 4000 छात्र-छात्राओं का एक साथ बैठकर भोजन करना निश्चित ही एक अनूठा एवं अनुपम दृश्य उपस्थित कर रहा था। विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना-इकाई के स्वयंसेवकों ने स्नेह भोज में परोसने, व्यवस्था बनाने में अथक परिश्रम कर सेवा का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

★ आप जैसा विचार करेंगे, वैसे आप हो जायेंगे, अगर अपने आपको निर्बल मानेंगे तो आप निर्बल बन जायेंगे और यदि जो आप अपने आपको समर्थ मानेंगे तो आप समर्थ बन जायेंगे।

★ जिस समय जिस काम के लिए प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय पर उसे करना ही चाहिए, नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है।

- स्वामी विवेकानन्द

रासेयो

रासेयो के स्वयंसेवकों ने नवांकुर में छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलायी

विश्व हाथ-धुलाई-दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय-सेवा-योजना के तत्त्वावधान में विद्यालय में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता की शपथ ग्रहण की तथा कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12 के अन्य सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलायी। इस अवसर पर विद्यालय-परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक शपथ ली कि न तो वे स्वयं गन्दगी फैलायेंगे और न किसी अन्य को गन्दगी फैलाने देंगे तथा वे स्वयं सौ अन्य व्यक्तियों को स्वच्छ रहने की और गन्दगी न फैलाने की शपथ दिलवायेंगे। रासेयो-प्रभारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी ने अपने सम्बोधन में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता का महत्त्व बताते हुए कहा कि अधिकांश रोग गन्दगी के कारण पैदा होते हैं, इसलिए हमें स्वच्छतापूर्वक रहना चाहिए।

विवेकानन्दजी का जन्मदिन युवा दिवस के रूप में मनाया गया

विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में रा.से.यो. के प्रेरणापुरुष विवेकानन्दजी की जयन्ती का आयोजन युवा-दिवस के रूप में किया गया, जिसमें विद्यालय के आचार्य प्रेमनारायण सेन मुख्य अतिथि तथा विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती रामकली नामदेव, श्रीमती पिंकेश रघुवंशी, श्रीमती नीलम जैन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्जवलन के पश्चात् कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। स्वयं-सेवक कु. पूजा रधुवंशी, कु. शीतल रघुवंशी ने रोली, अक्षत व रासेयो का बेज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया, स्वयं-सेवक हेमन्त रघुवंशी व कुलदीप शर्मा ने विवेकानन्द जी पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य-अतिथि प्रेमनारायण सेन ने विवेकानन्द के जीवन पर प्रकाश डाला। रासेयो प्रभारी श्री शम्भूसिंह रघुवंशी जी ने विवेकानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

स्वयंसेवक विनय सोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया। अन्त में स्वयंसेवक अभिषेक दाँगी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना-सात दिवसीय वार्षिक विशेष शिविर आयोजित

समाज सेवा से स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ग्रामीण अंचलों में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किये जाते हैं। इसी तारतम्य में नवांकुर उ.मा.वि. में संचालित राष्ट्रीय-सेवा-योजना की बालक एवं बालिका-इकाइयों द्वारा सम्मिलित रूप से ग्राम सेमरी में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। वर्तमान में संस्था में 100-100 स्वयं सेवकों की बालक एवं बालिका इकाई संचालित है। सन् 2005 से संचालित रासेयो इकाई का ग्राम सेमरी में दसवाँ शिविर था। इसके पूर्व ग्राम पचमा, डायला, बरेठ, महागौर, नन्दूपुरा, फतेहपुर, कानीखेड़ी, डिढ़ोली एवं बालराकलाँ में विशेष शिविरों के आयोजन किये जा चुके हैं। सत्र 2014-15 में दिनांक 25.12.2014 से 31.12.2014 तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन इस बार गंजबासौदा से 8 किमी दक्षिण में स्थित ग्राम सेमरी ग्राम पंचायत चौरावर में आयोजित किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने समाज-सेवा एवं जन-चेतना से जुड़े विभिन्न परियोजना-कार्यों को सम्पन्न किया एवं बौद्धिक गतिविधियों में भागीदारी की। इन गतिविधियों से उनमें सामाजिक गुणों एवं मानवीय मूल्यों की वृद्धि निश्चित ही हुई होगी।

शिविर में सम्पन्न गतिविधियों, कार्यों का दिन दिनांक बार विवरण इस प्रकार है :-

प्रथम दिवस (दिनांक 25.12.2014) :-

'लेके हाथ हल कुदाल ओर ज्ञान की मशाल' की तर्ज पर दोपहर दो बजे स्वयंसेवकों ने ग्राम सेमरी की ओर प्रस्थान किया। पहुँचते ही झाड़ू लेकर स्वच्छता-अभियान में जुट गये। शाला प्रांगण, आवास-कक्षों एवं मन्दिर परिसर की सफाई की। समवेत स्वरों में 'नौजवान आओ रे' गीत गाते हुए नलकूप के आसपास की कीचड़ को हटाया एवं जल की उचित निकासी हेतु कच्ची नाली का निर्माण किया। स्वयंसेवक उत्साहपूर्वक जब इस सेवा कार्य को कर रहे थे, तब ग्रामीण एक-एक करके एकत्र होकर कौतुहल एवं विस्मय से देख रहे थे। सायंकाल गोष्ठी एवं समीक्षा-बैठक का आयोजन किया गया।

द्वितीय दिवस (दिनांक 26.12.2014):-

प्रात: काल रासेयो ध्वज-प्रणाम, ईश-वन्दना, रासेयो गीत-गायन, पीटी-व्यायाम के बाद ग्रामीणों की उत्सुकता, जिज्ञासा के समाधान, शिविर-आयोजन-सन्देश, उद्घाटन-समारोह का आमन्त्रण एवं स्वच्छता-सम्बन्धी जन-जागरूकता के सम्बन्ध में ढोल-ढमाकों के साथ रैली निकाली। विभिन्न सन्देश लिखी तख्तियाँ हाथ में लिये स्वयंसेवक तिराहे, चौराहे, नुक्कड़ों, मोड़ों पर नारे लगाते हुए मुनादी कर रहे थे। रुक-रुक कर रासेयो के प्रेरक एवं प्रयाण-गीतों का गायन कर रहे थे। उल्लास एवं उमंग में ग्रामीण बाल-गोपाल भी नारे लगाते हुए साथ चल रहे थे। सर्दी भी अपने पूरे शबाब में आकर सितम ढा रही थी, पर न तो स्वयंसेवकों के बढ़ते कदमों को रोक पा रही थी, न ही उनके जोश को कम कर पा रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों स्वयंसेवकों के रूप में उत्साह, उमंग और उल्लास रैली में चल रहे थे।

रैली से लौटने पर स्वयंसेवकों को अलाव की व्यवस्था की गयी। परियोजना कार्य के अन्तर्गत ग्राम के विभिन्न कुओं एवं नलकूपों के पास जमा पानी की उचित निकासी के लिए सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया। बौद्धिक सत्र में शिविर का विधिवत उद्घाटन-समारोह हुआ। ग्रामीण गण्यमान्यों को समारोह के अतिथियों के रूप में मंचासीन किया गया। मुख्य अतिथि श्री किशनसिंह लोधी, विशेष अतिथि श्री नन्दलाल विश्वकर्मा ने सरस्वती एवं विवेकानन्द के चित्रों का पूजन-अर्चन किया। स्वयं सेवकों ने रोली अक्षत एवं एन एस एस बैज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। समवेत स्वरों में एन.एस.एस. गीतों का गायन किया एवं रासेयो परिचय-सम्बन्धी विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम-अधिकारी ने शिविर के दौरान किये जाने वाले विभिन्न परियोजनाओं कार्य एवं गतिविधियों की जानकारी दी एवं ग्रामीणों से स्वयंसेवकों के उत्साहवर्धन की अपेक्षा की। सन्ध्याकाल में स्वयंसेवकों ने छोटे-छोटे समूहों में ग्राम-सम्पर्क किया। ग्राम संस्कृति, समस्याओं को जानने समझने की चेष्टा की। गोष्ठी एवं समीक्षा बैठक भी की गयी।

तृतीय दिवस (दिनांक 27.12.2014):-

शिविरार्थियों के लिए सुनिश्चित दिनचर्यानुसार ध्वज-प्रणाम, ईश-वन्दना, पीटी व्यायाम के बाद व्यसन-मुक्ति एवं कुरीति-उन्मूलन-सम्बन्धी जन-जागरूकता रैली निकाली गयी। परियोजना-कार्य के अन्तर्गत ग्राम के प्रवेश-मार्ग पर जो नाला था, जो विगत कई वर्षों से कीचड़ से भरा हुआ था, इस कारण ग्राम में प्रवेश करना मुश्किल होता था, ग्रामीण इसमें से मजबूर होकर गुजरते थे। स्वयंसेवकों को भी गाँव में पहुँचने में इस नाले ने बाधा पहुँचायी थी। अत:, बाधा को दूर करने की ठानी। कार्य अत्यन्त मुश्किल था, केवल श्रमदान समाधान नहीं लग रहा था, लेकिन स्वयंसेवक जोश से भरे हुए थे, अनुमति मिलते ही इस जटिल कार्य में लग गये। 'करें राष्ट्र-निर्माण' गीत का गायन करते हुए दल के दल, दल-दल में घुस गये। नाले की सफाई हो रही थी, ग्राम का प्रवेश-मार्ग स्वच्छ हो रहा था। ग्रामीण विस्फारित नेत्रों से इस पुनीत कार्य के साक्षी बन रहे थे। हमने कभी सोचा भी न था कि शहरों के लड़के ऐसा काम भी कर सकते हें, इन्होंने तो हमारी आँखें खोल दीं, अब हम भी गाँव की साफ-सफाई करेंगे, ग्रामीणों के ऐसे उद्गार सुनकर लगा कि स्वयंसेवक अपने उद्देश्य में सफल हुए। बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि श्री हरिओम शर्मा, पूर्व कार्यक्रम-अधिकारी, रासेयो इकाई ने चिन्तन, चरित्र एवं चातुर्य विषय पर अपने विचार रखे एवं विशेष अतिथि श्री रोमेश बक्षी, पूर्व शिक्षक ने राष्ट्र-निर्माण में रासेयो की भूमिका को स्पष्ट किया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने साक्षरता विषय पर लघु नाटिका का मंचन किया। राष्ट्रीय-सेवा-योजना के प्रतीक-चिह्न आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किये। सायंकाल साक्षरता/ सामाजिक/ आर्थिक सर्वे कार्य किया। गोष्ठी की, समीक्षा बैठक हुई। श्री

रामकिशन राठौर एवं पार्टी द्वारा भजन सन्ध्या का आयोजन किया गया। कड़कड़ाती सर्दी में ग्रामीणों ने भजनों का आनन्द लिया। स्वयंसेवकों ने भी भजन गाये एवं ग्रामीणों द्वारा गाये लोकगीतों का आनन्द लिया।

चतुर्थ दिन (दिनांक 27.12.2014) :-

प्रतिदिन-अनुसार प्रातःकालीन गतिविधियों के उपरान्त 'बेटी बचाओ अभियान', 'बाल-विवाह की रोकथाम', 'नारी-शिक्षा', 'पर्दा-प्रथा', 'दहेज-प्रथा' आदि से सम्बन्धित जन-जागरूकता रैली निकाली गयी। परियोजना-कार्य के अन्तर्गत सड़क मरम्मत का कार्य किया गया, मुख्य मार्ग से ग्राम को जोड़ने वाला लगभग 300 मीटर लम्बा कच्चा पहुँच मार्ग है, जिसमें स्थान-स्थान पर अनेक गड्ढे वर्षा के कारण हो गये थे, स्वयं-सेवकों ने मिट्टी खोद-खोद कर उन गड्ढों को भरकर पहुँच मार्ग की मरम्मत की। बालिका-इकाई द्वारा ग्रामीण बालिकाओं एवं महिलाओं को मेंहदी, रंगोली आदि का कला-प्रशिक्षण दिया। बौद्धिक-सत्र में महिला-सशक्तिकरण विषय पर महिला-अधिवक्ता एव जनप्रतिनिधि सुश्री मंजू कुशवाह ने ग्रामीण महिलाओं को प्रेरक उद्बोधन दिया। स्वयं सेविकाओं ने भी कन्या भ्रूण-हत्या आदि विषय पर अपने विचार रखे।

पंचम दिवस (दिनांक 28.12.2014) :-

नित्यानुसार प्रारम्भिक गतिविधियों के बाद बालश्रम व बाल-मजदूरी पर रोक, 'बचपन बचाओ अभियान', कुपोषण स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से सम्बन्धित रैली निकाली गयी। परियोजना-कार्य के अन्तर्गत स्वयं सेवकों ने पाँच-पाँच के समूह बनाकर एक-एक समूह ने गाँव की एक-एक गली का चयन किया एवं झाड़ू लेकर गलियों की सफाई की। गोबर, उड़ते हुए भूसे, घास को एकत्र कर उसे गड्ढों में दबाया, ताकि वह खाद बन सके। बालिका-इकाई की स्वयं सेविकाओं ने कढ़ाई/बुनाई का प्रशिक्षण दिया। बौद्धिक सत्र में श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने महिलाओ को घरेलू हिंसा का विरोध, नारी की सामाजिक स्थिति पर विचार प्रस्तुत किये एवं महिलाओं से सीधा संवाद किया। स्वयंसेविकाओं ने प्रेरक गीतों का गायन किया। सायंकाल गोष्ठी एवं समीक्षा बैठक हुई।

षष्ठ दिवस (दिनांक 30.12.2014) :-

पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, किसानों के लिए मिट्टी परीक्षण, आवश्यक, खाद-बीज, उन्नत तकनीक आदि विषयों से सम्बन्धित किसान-जनजागृति रैली का आयोजन किया गया। साथ ही, स्वयंसेवकों ने बौद्धिक सत्र में अधिक-से-अधिक किसानों को उपस्थित होने की सूचना दी, ताकि कृषि अधिकारियों से कृषि समस्याओं के समाधान प्राप्त कर सकें एवं कवि-सम्मेलन की भी सूचना दी।

परियोजना कार्य के अन्तर्गत स्वयंसेवकों ने मृदा को प्रदूषित करने वाली पाउच-पन्नी, पॉलीथीन को बीनकर एकत्र कर उसमें आग लगायी एवं पॉलीथीन उन्मूलन का कार्य किया। बौद्धिक सत्र के अन्तर्गत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी, कृषि विभाग, नटेरन श्री जादौन जी ने किसानों से सीधा संवाद किया एवं किसानों की अनेक समस्याओं का समाधान किया, उन्नत खेती के गुर सिखाये।

विशेष अतिथि श्री जे पी शर्मा, कृषि विस्तार अधिकारी, नटेरन ने भी 'अधिक उत्पादन कैसे करें' विषय पर किसानों का मार्गदर्शन किया। इसके बाद बासौदा नगर से पधारे कवियों ने मंच सम्हाला। देर तक ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों को नवरसों से ओत-प्रोत समाज एवं संस्कृति से जुड़ी कविताओं से गुदगुदाते रहे।

सप्तम दिवस (दिनांक 31.12.2014) :-

एड्स जागरूकता, मलेरिया-कारण एवं बचाव, जनसंख्या-नियन्त्रण, रक्तदान, जनधन-योजना से सम्बन्धित बाजे-गाजे के साथ जन-जागरुकता रैली निकाली। परियोजना-कार्य के अन्तर्गत तालाब/ जलाशय गहरीकरण, वृक्षारोपण किया। नि:शुल्क रक्त-समूह-परीक्षण-शिविर का आयोजन किया गया। बौद्धिक एवं समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बासौदा नगर के गौरव समाजसेवी कान्तिभाई जी शाह, अध्यक्ष-नागरिक सेवा समिति, कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में, श्री राकेश जैन, अध्यक्ष-रक्त सेवा समिति बासौदा, विशेष अतिथि श्री अनिल दुबे, श्री दिनेश तिवारी, रक्त-सेवा-समिति के पदाधिकारीगण थे, माँ सरस्वती, विवेकानन्द के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा सरस्वती-वंदना व स्वागत गीत के उपरान्त कार्यक्रम-अधिकारी ने स्वागत भाषण एवं शिविर-प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत किये गये। भ्रष्टाचार पर व्यंग्य 'सदाचार का ताबीज' का मंचन किया गया। शिविरार्थियों एवं शिविर-सहयोगियों को प्रशस्ति-पत्र, प्रमाण-पत्र, पुरस्कार वितरित किये गये। समाज-सेवी श्री कान्तिभाईजी के सौजन्य से स्वयंसेवकों द्वारा चिह्नित हितग्राहियों को कम्बल वितरित किये गये। रक्त-सेवा-समिति के सौजन्य से ग्रामीणों का नि:शुल्क-रक्त-समूह-परीक्षण किया गया। इस प्रकार विशेष शिविर का समापन हुआ। समापन के साथ ही तेज बारिश प्रारम्भ हो गयी।

विशेष शिविर में सम्पन्न परियोजनाओं का सिंहावलोकन-

1 नाली-निर्माण, सोख्ता गड्ढों का निर्माण, पहुँच मार्ग की मरम्मत।
2 तालाब/जलाशय गहरीकरण, वृक्षारोपण, मृदा-परीक्षण हेतु सेम्पल एकत्र करना, श्रमदान करना।
3 नाले की सफाई, हौदी की सफाई, कीचड़ मुक्त करना।
4 विद्यालय एवं प्रांगण की सफाई, मदिर परिसर की सफाई, ग्राम-गलियों की सफाई।
5 पाउच, पन्नी, पॉलीथीन उन्मूलन।
6 मेंहदी, रंगोली, कढ़ाई, बुनाई, सिलाई कला-प्रशिक्षण।
7 साक्षरता/ सामाजिक/आर्थिक सर्वे कार्य।
8 पर्यावरण एवं आसपास की स्वच्छता, व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई पर जागरूकता।
9 वृक्षारोपण, नशा उन्मूलन, साक्षरता, बेटी बचाओ अभियान, बाल-विवाह, की रोकथाम, नारी-शिक्षा, घरेलू हिंसा, महिला सशक्तिकरण, बालश्रम, बाल-मजदूरी पर रोक, शाला से वंचित बच्चों की पहचान करना, मलेरिया-कारण एवं बचाव, जनसंख्या-नियन्त्रण, रक्तदान-महादान, जनधन-योजना, स्वच्छ-भारत-अभियान आदि विषयों पर जन-जागृति।
10 निशुल्क-रक्त समूह-परीक्षण-शिविर, निर्धन ग्रामीणों की पहचान कर उन्हें कम्बल वितरण कराना।
11 किसान भाइयों को मिट्टी-परीक्षण एवं खाद बीज-परीक्षण की जानकारी राज्य-शासन की कृषि से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी।

- शम्भूसिंह रघुवंशी
कार्यक्रम अधिकारी-राष्ट्रीय सेवा योजना

साहित्य सृजन

प्रिय पाठको,

हमारे इस अंक में हम आपको नगर के युवा सहित्यकारों से रू-ब-रू करा रहे हैं। आशा है हमारा यह प्रयास आपको पसन्द आयेगा।

हमारे नगर के श्रेष्ठ साहित्यकार प्रो. मणिमोहन मेहता से। अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर और शोध-उपाधि धारण करने वाले प्रो. मेहता जी की कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। मेहता जी की हाल ही में 'शायद' पुस्तक का विमोचन किया गया। अपने कविता-संग्रह के माध्यम से उन्होंने हर पहलू को छूने व समाज को दिग्दर्शित करने का प्रयास किया है। आइये, उनकी एक कविता का पाठन करते हैं:-

रोशनी

इस रोशनी में,
थोड़ा-सा हिस्सा उसका भी है,
जिसने चाक पर गीली मिट्टी रखकर,
आकार दिया है इस दीपक को।
इस रोशनी में
थोड़ा-सा हिस्सा उसका भी है,
जिसने उगाया है कपास।
तुम्हारी बाती के लिए
थोड़ा-सा हिस्सा उसका भी
जिसके पसीने से बना है तेल।
इस रोशनी में
थोड़ा-सा हिस्सा
उस अँधेरे का भी है,
जो दिये के नीचे
पसरा है चुपचाप।

प्रो. मणिमोहन मेहता

धार

घर के बाहर गली में
गूँजती है एक तेज आवाज,
धार करा लो
चाकू छुरी, कैंची
धार करा लो।
मैं बाहर निकलकर देखता हूँ
कन्धे पर एक छोटी सी मशीन रखे
उस मेहनतकश आदमी को,
मुझे देखकर वह एक बार फिर आवाज लगाता है,
धार करा लो।
मैं वापिस मुड़ता हूँ
घर के भीतर
और देखता हूँ
डाइनिंग टेबिल पर सजी, ब्राण्डेड कटलरी को
चाकू, छुरी, कैंची या हँसिया,
कुछ भी तो नहीं इस घर में,
जिस पर करवा सकूँ धार।
बाहर से आती वह आवाज,
अचानक एक आइने में बदल जाती है,
जिसमें देखता हूँ मैं अपने आपको,
एक भोथरे चाकू में तबदील होते हुए
अचानक खत्म हो जाती है धार।
घर की तमाम चीजों से।
मैं भागता हूँ बदहवास,
घर के एक कमरे से दूसरे कमरे में
छूकर देखता हूँ
फेरता हूँ उँगलियाँ
इन तमाम चीजों पर
कहीं कोई जख्म नहीं
किसी पोर से नहीं निकलता खून,
भयावह स्थिति है यह

बेहद खतरनाक भी।
मैं भागता हूँ घर की लायब्रेरी की तरफ,
और एक आखिरी उम्मीद के साथ देखता हूँ
शेल्फ में रखीं किताबों की तरफ
पर वहाँ किताबों की जगह
करीने से जमे है पत्थर,
मैं छत की तरफ देखता हूँ
जहाँ मकड़ी के जालों में फँसी झूल रही हैं,
मेरी तमाम किताबें।
मैं एक-एक कर निकालता हूँ
साफ करता हूँ धूल और जाले
पलटता हूँ पन्ने
पर यह क्या!
इश्क, प्रेम, दिल-दिमाग
विचार, कविता ओर संवेदना जेसे
तमाम जरूरी शब्द
गायब हो चुके हैं,
किताब के पन्नों से।
हर पन्ने पर लिखा हुआ दिखायी देता है,
सिर्फ एक शब्द-भोथरा
मैं वापिस भागता हूँ बाहर
और आवाज लगाता हूँ
रुको भाई.... रुको!
मेरे पास बहुत कुछ है
जिस पर धार होना बाकी है।

प्रो. मणिमोहन मेहता

उठो, सृजन के शिल्पी जागो !

उठो, सृजन के शिल्पी जागो!
उठो, सृजन के शिल्पी जागो! गीत क्रान्ति के गाओ तुम।
राष्ट्र-जागरण ध्येय तुम्हारा निज-कर्त्तव्य निभाओ तुम।।
हिंसा और अनैतिकता की लपटें अब बढ़ती जातीं,
ऐसे में लोरियाँ सुनाकर तुमको शर्म नहीं आती।
कामुकता-फूहड़ता के गीतों को गाना बन्द करो,
कोरी बाजीगरी दिखाकर मन बहलाना बन्द करो।
नूतन काव्य-प्रयोगों से विद्वता न अब दिखलाओ तुम।
राष्ट्र जागरण ध्येय तुम्हारा निज कर्त्तव्य निभाओ तुम।
नारी का सम्मान लिखो तुम भारत माँ का ज्ञान लिखो,
सीमा के प्रहरी बलिदानी वीरों का यशगान लिखो।
अनय अनीति और कुरीतियों का अब तुम संहार करो,
दिशा लेखनी की बदलो अब नवयुग का संचार करो।
जन-जन का चरित्र उज्ज्वल हो वह रसधार बहाओ तुम।
राष्ट्र-जागरण ध्येय तुम्हारा निज कर्त्तव्य निभाओ तुम।
कविता को जनने से पहले प्रसव-वेदना कवि सहता,
वही सृजन शिल्पी है सच्चा जो सच को है सच कहता।
धन-लिप्सा में डूब विकृतियों का चित्रण करना छोड़ो,
भटक रहे जो लोग उन्हें तुम सही दिशा में अब मोड़ो।
वीणापाणि के पुत्रो, अब कुछ तो लाज बचाओ तुम।
राष्ट्र-जागरण ध्येय तुम्हारा निज कर्तव्य निभाओ तुम।
साहित्य युग की सही कसौटी युग का दर्पण होता है,
कवि अपना युग धर्म निभाने बीज क्रान्ति के बोता है।
उठो, कलमकारो! लेखनी से सद्चिन्तन-सद्भाव भरो,
दुष्चिन्तन की धारा बदलो राष्ट्र का नव निर्माण करो।
केवल जनरंजन करने का लक्ष्य नहीं अपनाओ तुम।
राष्ट्र-जागरण ध्येय तुम्हारा निज कर्त्तव्य निभाओ तुम।

- संजय श्रीवास्तव 'प्रज्ञा'
अध्यापक, शा.मा.वि., मलकपुर

सरस्वती-वन्दना

हंस पर बैठकर वीणा थामे हुए,
ज्ञान-देवी, मेरे मन के घर आइये।
कोई कोना अँधेरे में अब न रहे,
ज्ञान-दीपक आप ऐसा जला जाइये।

बाँटती तू सदा ज्ञान है, जग में तेरी बड़ी शान है,
जिसपे होती मेहरबान है, पाता ऊँचा वो स्थान है।

करके मुझ पर दया-दृष्टि अब,
मार्ग-दर्शक तो बन जाइये।
हंस पर बैठकर वीणा थामे हुए,
ज्ञान-देवी, मेरे मन के घर आइये।

भेद छोटे-बड़े का न कर, सबपे रखती है तू सम नजर,
याद तुझको जो कोई करे, देती बुद्धि से मस्तिष्क भर।

लेकर मुझको तू अपनी शरण में,
अच्छा चिन्तक बना जाइये।
हंस पर बैठकर वीणा थामे हुए,
ज्ञान-देवी, मेरे मन के घर आइये।

भ्रष्ट आचार दूषित जिगर, पाप का तो नहीं कोई डर,
ऐसे लोगों को पहचान कर, भारत माँ की तू रक्षा तो कर।

उनके मन को बदल कर शिखर,
नया गणतन्त्र रच जाइये।
हंस पर बैठकर वीणा थामे हुए,
ज्ञान-देवी मेरे, मन के घर आइये।
कोई कोना अँधेरे में अब न रहे,
ज्ञान दीपक आप ऐसा जला जाइये।

-शिखरचन्द्र जैन (शिखर)
प्रभा प्रकाशन, मेन बरेठ रोड, गंजबासौदा

रक्त-दान

करके देखो रक्तदान
बड़ा अच्छा लगता है।
देता है ये जब जीवनदान,
बड़ा अच्छा लगता है।।

अपने लिए जीना क्या,
जीना हुआ भला।
हम आते हैं जब किसी के काम,
बड़ा अच्छा लगता है।।

ये वो चीज़ है ही नहीं जो मिले,
सेठों की बड़ी दुकानों में।
इससे बनता है हमारा किसी से रक्त-सम्बन्ध,
बड़ा अच्छा लगता है।।

ये माना जीवन का पूर्ण अधिकार है,
परम पिता के हाथों में।
पर हमें कहे कोई जीवन-रक्षक
बड़ा अच्छा लगता है।।

चुपचाप यूँ ही हम आये थे,
और शाम ढले फिर जाना है।
हमारे बाद हमें करे कोई याद,
बड़ा अच्छा लगता है।।

- आशीष दुबे,
सचिव-साहित्यकार संघ, गंजबासौदा
मो. 9993419880

मेरे बंद....

आसमाँ चाहिये न जमीं चाहिये,
न धरम चाहिये न भरम चाहिये,
घर के आँगन तो देखो हैं सूने पड़े,
हर आँगन में अब लाड़ली चाहिए।

मेरी नजर में राम मोहम्मद भी एक हैं,
नदियाँ-पहाड़-झरने-समन्दर भी एक हैं
धर्मों में मजहबों में तो बटते हैं हम यहाँ,
सब के दिलों में धड़कनें साँसें तो एक हैं।

प्रीत के गीत गुन रहा हूँ मैं,
फूल कलियों से चुन रहा हूँ मैं,
चाँदनी आयेगी कभी मिलने,
ख्याब उसके ही बुन रहा हूँ मैं।

चाँदनी चाँद से भी है प्यारी लगे,
जिन्दगी बन्दगी अब हमारी लगे,
इन आँखों से आँखों का रिश्ता है क्या,
गैर होके तू अपनों से प्यारी लगे।

राज की बात दिल में दबा के रखो,
आग से अपना दामन बचा के रखो,
चल पड़ेंगे सभी आप के साथ ही,
फूल हो अपनी खुशबू छुपा के रखो।

- पंकज शर्मा गुरुजी
युवा साहित्यकार
मो.9630869191

कवि कुछ ऐसी कविता लिख

कवि कुछ ऐसी कविता लिखो,
शब्द मौन हो जाये,
हृदय-वेदना मन की तृष्णा
सभी गौण हो जाये।।
नफरत फैलाने वाले मन
जल जैसे निर्मल हो जाये,
बैचेनी और उथल-पुथल से
हम मुक्ति पा जाये।
कवि कुछ ऐसी कविता.....

मिल जायें सारे सुख तुमको,
दुःख विलीन हो जाये,
सावन की रिमझिम में हम भी,
बच्चे बनकर नाचें-गाये।
कवि कुछ ऐसी कविता.....

हृदय बदल जायें हम सबके,
सब सरल सहज हो जाये,
कर पाये जो तेरे दर्शन,
वह ज्योति पा जाये।।
कवि कुछ ऐसी कविता.....

भूखों को रोटी मिल जाये,
भटके सब मंजिल पा जाये,
अहंकार गल जाये सबका,
सब प्रेमपूर्ण हो जाये।।
कवि कुछ ऐसी कविता.....

नीलेश चतुर्वेदी 'धाँसू'
मो. 9826899279

कविता बोल रही है।

कविता बोल रही है.....
कविता बोल रही है।
मन के दर्पण को यह खोल रही है,
कविता बोल रही है।।

चमक रहा मेरा पूरा जीवन, इस उजियारे से,
मेरा बचपन मेरी जवानी और बुढ़ापे से
मेरे बूढ़ेपन में जवाँ रस घोल रही है.....
कविता बोल रही है.....कविता बोल रही है।।

मेरे मन की तड़पन से मेरे हृदय की धड़कन तक,
श्वांस-श्वांस स्पन्दन तक नित नये स्वर घोल रही है।
कविता बोल रही है.....कविता बोल रही है.....

- कवि जगमोहन सेन
मो. 73891666736

आदत

- राह चलते पथिक ने गुलाब को देखकर कहा-अरे गुलाब, तुम कितने सुन्दर हो। काश! तुम में काँटे न होते, तो कितना अच्छा होता।
- राह चलते पथिक ने कोयल को देखकर कहा, अरे! कोयल, तुम कितना सुन्दर गाती हो! काश! तुम काली न होती, तो कितना अच्छा होता।
- राह चलते पथिक ने समुन्दर को देखकर कहा! तुम कितने विशाल हो, काश! तुम खारे न होते, तो कितना अच्छा होता।
- इस प्रकार प्रकृति की तीनों देनों ने मौन संकेत किया
- हे मनुष्य! अगर तुममें दूसरों के दोष देखने की आदत न होती, तो कितना अच्छा होता।

संकलन-संयम जैन
कक्षा-7 अ

विचार ही बनाते हैं

एक बार स्वामी विवेकानन्द अमेरिका यात्रा पर थे। एक दिन वह पगड़ी बाँधे चादर डाले शिकागो की गली में घूम रहे थे। उनकी वेशभूषा को देख एक महिला ने अपने पुरुष मित्र से कहा-जरा इन महाशय को देखो, कैसी अनोखी पोशाक है! स्वामी जी ने हेय दृष्टि से देख रही उस महिला से कहा- बहिन! मैं जिस देश से आया हूँ, वहाँ कपड़े नहीं, चरित्र सज्जनता की कसौटी है। जवाब से महिला सन्न रह गयी।

एक दिन स्वामी जी के एक अमेरिकी मित्र ने उनसे कहा-मैं आपके गुरु को देखना चाहूता हूँ। मैं जानना चाहता हूँ कि आखिर कैसे हैं, जिन्होंने आप-जैसे शिष्य को तैयार किया। स्वामी जी उस मित्र को लेकर भारत आ गये। मित्र ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस के दर्शन किये, तो वह बोला-क्या! यही लंगोटधारी व्यक्ति आपका गुरु है, इसे तो कपड़े पहनने की तमीज नहीं है। मित्र की बात सुनकर स्वामी विवेकानन्द बोले, मित्र! तुम्हारे देश में सभ्य पुरुषों का निर्माण एक दर्जी करता है, जबकि हमारे देश में सभ्य पुरुषों का निर्माण आचार-विचार करते हैं।

- कु. ऋतु शर्मा
कक्षा-12 (गणित)

सम-सामायिकी

देश की कई हस्तियाँ दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार पद्म सम्मान से सम्मानित – गणतन्त्र दिवस के मौके पर नौ महान हस्तियों को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने देश के दूसरे सर्वोच्च सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा 20 लोगों पद्म भूषण, 75 को पद्मश्री से नवाजा गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन, दिलीपकुमार, प्रकाशसिंह बादल, के वीरेन्द्र हेगड़े, न्यायविद् के.के. वेणुगोपाल, परमाणु वैज्ञानिक एम.रामास्वामी श्रीनिवासन, शिया नेता प्रिन्स करीम आगा खान, रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य को पद्म विभूषण से नवाजा गया। बीमारी के चलते 92 वर्षीय अभिनेता दिलीपकुमार पद्म विभूषण लेने नहीं आ सके।

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में हुये कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी, वरिष्ठ

मन्त्री, दिल्ली के मुख्यमन्त्री श्री अरविन्द केजरीवाल उपस्थित थे।

पद्मभूषण अवार्ड ग्रहण करने वालो में 12 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले जानू बरुआ, कनाडा में जन्मे गणितज्ञ मंजुल भार्गव, विश्वविख्यात कम्प्यूटर वैज्ञानिक विजय भाटकर, आध्यात्मिक गुरु स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि, संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप, ख्यात इंडोक्रायानोलॉजिस्ट अम्बरीश मिथाल शामिल थे। पद्मभूषण से नवाजे गये कर्नाटक के श्री सिद्धगंगा मठ 107 साल के प्रमुख शिवकुमार स्वामीगालू समारोह में सम्मिलित नहीं हो सके। इन सभी को गणतन्त्र दिवस के मौके पर अवार्ड देने की घोषणा की गई थी।

ऑस्ट्रेलिया पाँचवी बार वर्ल्ड कप चैम्पियन बनी – न्यूजीलैण्ड को 7 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया ने पाँचवी बार क्रिकेट वर्ल्ड का खिताब हासिल किया। मेलबॉर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पर हुऐ आईसीसी वर्ल्ड कप 2015 के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैण्ड को सात विकेट से हरा दिया। इस प्रकार वह पाँचो महाद्वीप में खेलते हुये खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई है। वह रिकार्ड पाँचवी बार विश्वकप

चैम्पियन बना है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने न्यूजीलैण्ड से मिले 184 रनों का लक्ष्य 33.1 ओवरों में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया ने खिताब वर्ष 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में जीता है वहीं भारत ने दो बार 1983 और 2011, वेस्टइंडीज ने दो बार 1975, 1979, पाकिस्तान ने एक बार 1992 एवं श्रीलंका ने एक बार 1996 में जीता है।

वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 22 विकेट लेने वाले आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को मैन ऑफ द सीरिज चुना गया। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेण्डुलकर ने उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित किया। इस विश्वकप में सर्वाधिक रन 547 न्यूजीलैण्ड के गुप्टिल ने बनाये। सर्वाधिक विकेट 22 दो खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के स्टार्क और न्यूजीलैण्ड के बोल्ट ने बनाये। विजेता टीम को 24.80 करोड़ रुपये, उपविजेता को 10.92 करोड़ रुपये इनाम में मिले। अगला विश्वकप 2019 में इंग्लैण्ड की मेजबानी में होगा।

बैडमिण्टन में पहली बार भारत की महिला खिलाड़ी शीर्ष पर – भारत की साइना नेहवाल दुनिया की नम्बर एक महिला बैडमिण्टन खिलाड़ी बन गई है। साइन यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। प्रकाश पादुकोण पुरुष वर्ग में दुनिया के नम्बर एक खिलाड़ी रह चुके हैं। साइन ने यह उपलब्धि विश्व चैम्पियन व दूसरी वरीयता प्राप्त कैरोलिन मारिन के इण्डिया ओपन सुपर सीरिज के सेमीफाइनल में हारने के कारण अपन नाम की है।

सरकारी स्कूलों में चलेंगी एनसीईआरटी की किताबें – राज्य के सरकारी स्कूलों में नेशनल काउंसिल फॉर रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग (एन.सी.ई.आर.टी.) का पाठ्यक्रम लागू करने की कवायद की जा रही है। राज्य सरकार ने स्कूली शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को स्वीकृति के लिये केन्द्र सरकार को भेज दिया है। मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की मुहर लगते ही नए शैक्षणिक सत्र 2016-17 से ही इसे लागू कर दिया जायेगा। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 1.50 करोड़ विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। फिलहाल देश के सभी सीबीएसई में यही पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

जगमोहन डालमिया एक बार फिर बने बीसीसीआई अध्यक्ष– भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड का अध्यक्ष पद पर तीसरी बार जगमोहन डालमिया को चयनित किया गया। डालमिलया करीब दस वर्ष बाद बीसीसीआई के अध्यक्ष बने हैं। डालमिया 1997 से तीन वर्ष के लिए एवं 2001 से 2004 के बीच पहले भी अध्यक्ष रह चुके हैं।

50 वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार – मराठी साहित्यकार भालचन्द्र नेमाड़े को 50 वाँ ज्ञानपीठ (2014) पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ज्ञानपीठ से सम्मानित होने वाले नेमाड़े मराठी के चौथे साहित्यकार हैं। इससे पहले वी.एस.खांडेकर, वी.वी.एस. कुसुमाग्रज और विन्दा करन्दीकर इस सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। नेमाड़े यह सम्मान पाने वाले 55 वें साहित्यकार हैं। पद्मश्री से सम्मानित से नेमाड़े को उपन्यासकार, कवि, आलोचक और शिक्षाविद् के तौर पर जाना जाता है। यह 60 वें दशक में लघु पत्रिका आन्दोलन के प्रमुख हस्ताक्षर थे।

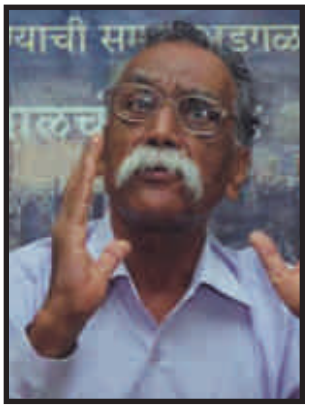

ज्ञानपीठ पुरस्कार के रूप में 11 लाख रुपये, प्रशस्ति पत्र एवं वाग्देवी की प्रतिमा प्रदान की जाती है। पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार मलयालम के लेखक जी.शंकर कुरुप को प्रदान किया गया था।

रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार – साल 2000 से मध्यप्रदेश के कमजोर और उपेक्षित समुदायों खासतौर पर राज्य के कोरकू जनजाति के लिए काम करने हेतु सीमा प्रकाश को प्रदान किया गया।

सरस्वती सम्मान – पूर्व केन्द्रीय मन्त्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम.वीरप्पा मोइली को उनकी कन्नड़ कविता रामायण महान्वेषण के लिए 9 मार्च 2015 को वर्ष 2014 के सरस्वती सम्मान के लिये चुना गया है। पाँच खण्डों में विभाजित रामायण महान्वेषण कन्नड़ में वर्ष 2007 में प्रकाशित हुआ था। बाद में अंग्रेजी, हिन्दी, तेलगु और तमिल में इसका अनुवाद किया गया।

टवेंटी-20 विश्वकप 2016की मेजबानी भारत को मिली- अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के ट्वेंटी-20 क्रिकेट के वर्ष 2016के विश्वकप का आयोजन भारत में होना है।

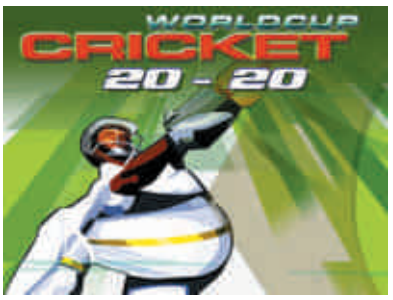

यह टूर्नामेन्ट 11 मार्च से 3 अप्रेल 2016 के दौरान खेला जायेगा।

नोबेल पुरस्कार – 2014-अक्टूबर माह में वर्ष 2014 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा रॉयल स्वीडिश अकादमी ने की। पुरस्कारों का वितरण 10 दिसम्बर, 2014 को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर स्वीडन के स्टॉकहोम में (शान्ति के नोबेल पुरस्कार का वितरण नार्वे के ओस्लो में) किया जाता है। गौरतलब है कि ये पुरस्कार प्रसिद्ध वैज्ञानिक सर अल्फ्रेड नोबेल के नाम से दिये जाते हैं, जिन्होंने डायनामाइट का आविष्कार किया था। शान्ति, साहित्य सहित छ:ह विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्व नोबेल पुरस्कार से अलंकृत किये जाते हैं। नोबेल पुरस्कार सन् 1901 से निरन्तर दिये जा रहे हैं जबकि अर्थशास्त्र के लिए पुरस्कार 1969 से शुरू किया गया है। अर्थशास्त्र के पुरस्कार का पैसा अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार नहीं आता, अपितु यह पुरस्कार बैंक ऑफ स्वीडन द्वारा प्रदान किया जाता है।

शान्ति- सर्वाधिक प्रतिष्ठित शान्ति का नोबेल पुरस्कार भारत के कैलाश सत्यार्थी तथा पाकिस्तान की मलाला यूसुफ जई को संयुक्त रूप से प्रदान करने की घोषणा की गयी।

60 वर्षीय कैलाश सत्यार्थी जो मूलत: मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के हैं, 'बचपन बचाओ आंदोलन' नामक एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) चलाते हैं। यह संगठन बाल-श्रम तथा बाल-तस्करी में फँसे बच्चों को मुक्त कराने की दिशा में अद्वितीय कार्य कर रहा है। सत्यार्थी के बचपन बचाओ आन्दोलन ने अब तक 83 हजार मासूमों का जीवन तबाह होने से बचाया है। 'बचपन बचाओ आंदोलन' आज भारत के 15 प्रदेशों के 200 से अधिक जिलों मं सक्रिय है। इसमें लगभग 70 हजार स्वयंसेवक हैं, जो लगातार बच्चों के जीवन में खुशियों के रंग भर रहे हैं। 17 वर्षीय मलाला जिन्हें 2012 में पाकिस्तान में महिलाओं के लिए शिक्षा की माँग के बाद तालिबान की गोली का शिकार होने के बाद भी उन्होंने बाल-अधिकारों और बालिका-शिक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखा है। गौरतलब है कि मलाला नोबेल पुरस्कार जीतने वाली सबसे कम उम्र की शख्सियत हैं। ज्ञातव्य है कि नोबेल शान्ति पुरस्कार जीतने वाले कैलाश सत्यार्थी कोई भी नोबेल पुरस्कार जीतने वाले आठवें भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्ति हैं तथा शान्ति का पुरस्कार जीतने वाले मदर टेरेसा के बाद

दूसरे भारतीय हैं। मदर टेरेसा को 1979 में शान्ति के क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

साहित्य : साहित्य के क्षेत्र का वर्ष 2014 का नोबेल पुरस्कार फ्रांस के उपन्यासकार पैट्रिक मोदियानो को दिए जाने की घोषणा की गयी है। नाजियों के कब्जे तथा उसकी वजह से फ्रांस पर पड़े प्रभाव का पैट्रिक के लेखन में प्रभावी चित्रण किया गया है। इस विशिष्टता के लिए ही उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि पेट्रिक की फ्रांसीसी भाषा में 40 से अधिक कृतियाँ प्रकाशित हुई हैं।

अर्थशास्त्र : अर्थशास्त्र के क्षेत्र का नोबेल तुल्य पुरस्कार फ्रांस के अर्थशास्त्री जीन तिरोल को प्रदान करने की घोषणा की गयी है। उन्हें यह पुरस्कार मार्केट पॉवर एण्ड रेग्यूलेशन पर उनके शोध के लिए दिया गया है। गौरतलब है कि जीन तिरोल ने ऐसी नीतियों की रचना के लिए फ्रेमवर्क तैयार किया गया है जिन्हें बैंकिंग तथा दूरसंचार सहित अनेक उद्योगों में लागू किया गया है।

चिकित्सा: ब्रिटिश अमेरिकी शोधकर्ता जॉन ओ कीफ तथा नार्वे के एक दम्पति एडवर्ड आई. मोजर तथा मे-ब्रिट मोजर को चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गयी है। इन वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के भीतरी जीपीएस ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम की खोज की है। मस्तिष्क के जीपीएस की जानकारी से स्मृति का लोप हो जाने की समस्या को जीतने की प्रणाली का पता लगाने में मदद मिलती है।

भौतिकी : जापान के इसामू अकासाकी तथा हिरोशी अमानो एवं जापानी मूल के अमेरिकी नागरिक शुजी नाकामुरा को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गयी है। इन तीनों वैज्ञानिकों ने कम ऊर्जा में तेज सफेद रोशनी देने वाली ब्ल्यू एलईडी लाइट इमिटिंग डायोड की खोज की है।

रसायन: अमेरिका के इरिक बेत्जिग तथा विलियम ई. मोनरन तथा जर्मन वैज्ञानिक स्टीफन हेल को रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। इन्हें यह पुरस्कार सुपर रिजॉल्व्ड फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप विकसित करने के लिए दिया गया है।

मानसिक बन्धन

एक आदमी कहीं से गुजर रहा था, तभी उसने सड़क के किनारे बँधे हाथियों को देखा, तो रुक गया। उसने देखा कि हाथियों के अगले पैर में एक रस्सी बँधी हुई है। उसे इस बात पर आश्चर्य हुआ कि हाथी जैसे विशालकाय जीव लोहे की जंजीरों की जगह बस एक छोटी-सी रस्सी से बँधे हुए हैं। वे चाहते, तो अपने बन्धन तोड़कर कहीं भी जा सकते थे। उसने पास खड़े महावत से पूछा-भला ये हाथी किस प्रकार इतनी शान्ति से खड़े हैं और भागने का प्रयास भी नहीं कर रहे हैं। महावत ने कहा- इन हाथियों को छोटी उम्र से ही इन रस्सियों से बाँधा जाता है। उस समय इनके पास इतनी शक्ति नहीं होती कि इस बन्धन को तोड़ सकें। बार-बार प्रयास करने पर भी रस्सी न तोड़ पाने के कारण उन्हें धीरे-धीरे यकीन होता जाता हे कि वे इन रस्सियों को नहीं तोड़ सकते। बड़े होने पर भी उनका यह यकीन बना रहता है, इसलिए वे इसे कभी तोड़ने का प्रयास ही नहीं करते। उस आदमी को यह बात बड़ी रोचक लगी।

उसने इसके बारे में एक सन्त से चर्चा की। सन्त ने मुस्कराकर कहा - ये जानवर इसलिए अपना बन्धन नहीं तोड़ सकते, क्योंकि वे इस बात में यकीन करते हैं कि इन हाथियों की तरह हममें से भी कई लोग अपनी किसी विफलता के कारण यह मान बैठते हैं कि अब हमसे यह काम हो ही नहीं सकता। वे अपनी बनायी गयी मानसिक जंजीरों में पूरा जीवन गुजार देते हैं।

- कु. तुलसी कोरी
कक्षा-11 (गणित-प्रथम)

माह अप्रैल, मई, जून में जन्मदिन वाले सभी विद्यार्थियों को जन्मदिन की शुभकामनाएँ एवं शुभाशीष!

परीक्षा-परिणाम

कक्षावार मेरिट-सूची वर्ष -2015

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
शिशु'क'	कु. सुहानी विश्वकर्मा	श्री दिनेश विश्वकर्मा	श्रीमती प्रीति	199/200	99.5%	प्रथम
शिशु'क'	कु. कामना अहिरवार	श्री लालाराम अहिरवार	श्रीमती सबोदराबाई	194/200	97%	द्वितीय
शिशु'क'	कु. श्रद्धा राजपूत	श्री नरेन्द्र राजपूत	श्रीमती सविता	194/200	97%	द्वितीय
शिशु'क'	कु.सिमरन दाँगी	श्री धर्मेन्द्र दाँगी	श्रीमती वर्षा	190/200	95%	तृतीय
शिशु'ख'	कु. लक्ष्मी दाँगी	श्री कल्याणसिंह	श्रीमती संगीता	198/200	99%	प्रथम
शिशु'ख'	प्रिन्स दाँगी	श्री कल्लूसिंह	श्रीमती रुकमणि	196/200	98%	द्वितीय
शिशु'ख'	शिवम दाँगी	श्री महेशसिंह	श्रीमती रश्मि	196/200	98%	द्वितीय
शिशु'ख'	कु. प्रीति अहिरवार	श्री मूलचंद अहिरवार	श्रीमती मोहनबाई	195/200	97.5%	तृतीय
शिशु'ख'	शिवजीत गुर्जर	श्री अरविन्द सिंह	श्रीमती लीलाबाई	195/200	97.5%	तृतीय
शिशु'ख'	शिव रघवंशी	श्री बब्लू रघुवंशी	श्रीमती सरोज	195/200	97.5%	तृतीय
शिशु'ख'	सुमित अहिरवार	श्री कोतलसिंह	श्रीमती सुनीता	195/200	97.5%	तृतीय
कक्षा–1	विवेक दाँगी	श्री अवधेशसिंह	श्रीमती कविता	899/930	96.66%	प्रथम
कक्षा–1	समीर खाँ	श्री रमजान खाँ	श्रीमती तस्लीम बी	891/930	95.80%	द्वितीय
कक्षा–1	समीक्षा कुशवाह	श्री नवलसिंह	श्रीमती शशि	884/930	95.00%	तृतीय
कक्षा–2	विष्णुप्रसाद लोधी	श्री आशाराम सेन	श्रीमती रामकलीबाई	909/930	97.74%	प्रथम
कक्षा–2	कृष राठौर	श्री विजयसिंह	श्रीमती विनीता	901/930	96.08%	द्वितीय
कक्षा–2	कु. श्रद्धा दाँगी	श्री बलवीरसिंह	श्रीमती मधुबाई	893/930	96.02%	तृतीय
कक्षा–3	कु. उमाश्री शर्मा	श्री चन्द्रकुमार	श्रीमती रोहणी	1114/1150	96.86%	प्रथम
कक्षा–3	कु. सुहानी रघुवंशी	श्री रामकृष्ण	श्रीमती भूरीबाई	1110/1150	96.52%	द्वितीय
कक्षा–3	कु. कामना रघुवंशी	श्री विजयसिंह	श्रीमती अनीता	1099/1150	95.56%	तृतीय
कक्षा–4	कु. रितिका कुर्मी	श्री रामकेश	श्रीमती रश्मि	1121/1150	97.47%	प्रथम
कक्षा–4	अरबाज खाँ	श्री फरीद खाँ	श्रीमती अफसाना बी	1116/1150	97.04%	द्वितीय
कक्षा–4	कु. खुशी साहू	श्री शोभाराम	श्रीमती विनीता	1113/1150	96.78%	तृतीय
कक्षा–5	कु. विपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्रसिंह	श्रीमती रमा	1139/1150	99.00%	प्रथम
कक्षा–5	कु. रिमझिम रघुवंशी	स्व. श्री नरेन्द्रसिंह	श्रीमती विमला	1128/1150	98.00%	द्वितीय
कक्षा–5	कु. सृष्टि साहू	श्री राजकुमार साहू	श्रीमती सीमा	1113/1150	96.78%	तृतीय

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा–6	कु. रौनक दाँगी	श्री रामावतार	श्रीमती अंजना	**1672/1710**	**97.77%**	प्रथम
कक्षा–6	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरनसिंह	श्रीमती शिवकुमारी	**1665/1710**	**97.36%**	द्वितीय
कक्षा–6	आकाश कुशवाह	श्री राजेन्द्र	श्रीमती रचना	**1638/1710**	**95.70%**	तृतीय
कक्षा–7	कु. मुस्कान राठौर	श्री बाबूसिंह	श्रीमती क्रांति राठौर	**1701/1710**	**99.47%**	प्रथम
कक्षा–7	कु. सीमा सौजन्य	श्री कपूरसिंह	श्रीमती राजकुमारी	**1684/1710**	**98.47%**	द्वितीय
कक्षा–7	कु. प्रार्थना लोधी	श्री हरिनारायण	श्रीमती शीलाबाई	**1684/1710**	**98.47%**	द्वितीय
कक्षा–7	कु. शिवानी दाँगी	श्री गब्बरसिंह	श्रीमती रुपवती	**1684/1710**	**98.47%**	द्वितीय
कक्षा–7	कु. कीर्ति रघुवंशी	श्री वीरसिंह	श्रीमती सविताबाई	**1669/1710**	**97.60%**	तृतीय
कक्षा–8	कु. आस्था दुबे	श्री देवेन्द्र दुबे	श्रीमती शोभा दुबे	**1688/1710**	**98.71%**	प्रथम
कक्षा–8	कु. मुस्कान दाँगी	श्री सुरेन्द्रसिंह	श्रीमती हेमलता	**1677/1710**	**98.07%**	द्वितीय
कक्षा–8	कु. अपूर्वा रघुवंशी	श्री अजीतसिंह	श्रीमती प्रीति	**1673/1710**	**97.83%**	तृतीय
कक्षा–9	कु. सोनम रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	श्रीमती नन्नीबाई	**578.5/600**	**96.42%**	प्रथम
कक्षा–9	विकासकुमार दुबे	श्री महेशकुमार दुबे	श्रीमती राममणि दुबे	**570.3/600**	**95%**	द्वितीय
कक्षा–9	सुदीप सिंह दाँगी	श्री बलराम सिंह	श्रीमती शिमला	**564.4/600**	**94%**	तृतीय
कक्षा–11 वाणिज्य	कु. श्रद्धा ठाकुर	श्री देवेन्द्रसिंह	श्रीमती सुधा	**441.2/500**	**88.24%**	प्रथम
	कु. विशाखा जैन	श्री केवलचंद जैन	श्रीमती बबली जैन	**438.4/500**	**87.68%**	द्वितीय
	कु. कामिनी रघुवंशी	श्री रघुवरसिंह	श्रीमती पुष्पादेवी	**430.8/500**	**86.16%**	तृतीय
कक्षा–11 बायो.	कु. शालिनी रघुवंशी	श्री ज्ञानसिंह	श्रीमती किरणबाई	**473.2/500**	**94.64%**	प्रथम
	अंशुल कुर्मी	श्री अरविन्द कुर्मी	श्रीमती चन्द्रावती	**428.3/500**	**85.66%**	द्वितीय
	कु. दीक्षा दाँगी	श्री सुरेन्द्रसिंह	श्रीमती ममताबाई	**427.6/500**	**85.52%**	तृतीय
कक्षा–11 गणित	अमित रघुवंशी	श्री दीपक	श्रीमती गायत्री	**466.7/500**	**93.34%**	प्रथम
	प्रवेन्द्र राजपूत	श्री रामबाबू	श्रीमती मथुराबाई	**466.6/500**	**93.32%**	द्वितीय
	अनिकेश दुबे	श्री मनीष दुबे	श्रीमती अखलेश	**465.9/500**	**93.18%**	तृतीय

मेरिटवाले सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय-परिवार की ओर से

हार्दिक बधाई.....!

परीक्षाफल एक नजर में

प्राथमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड					प्रतिशत
				A	B	C	D	E	
शिश 'क'	80	77	66	44	17	05	-	14	82.5%
शिश 'क'	100	100	95	56	24	12	03	05	95%
01	147	147	147	73	43	28	03	-	100%
02	135	135	135	55	41	31	08	-	100%
03	141	141	136	45	30	34	27	05	96.45%
04	110	110	99	36	26	23	14	11	90%
05	145	145	128	33	25	33	37	17	88.27%

माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड					प्रतिशत
				A	B	C	D	E	
6th	153	153	147	41	37	51	24	06	96.07%
7th	162	162	155	46	45	49	22	07	95.67%
8th	199	199	197	102	62	28	07	02	98.99%

उच्चतर माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	पूरक छात्र	अनुत्तीर्ण छात्र	श्रेणी			प्रतिशत
						प्रथम	द्वितीय	तृतीय	
9th	269	269	215	21	33	128	69	18	80%
11-C	72	71	52	05	14	27	19	06	73.24%
11-B	47	47	35	07	05	15	16	04	74.47%
11-M	114	114	101	11	02	71	27	03	88.60%

विभिन्न कक्षाओं में विशिष्ट योग्यता वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विषय	प्राप्तांक
1.	कु. सुहानी विश्वकर्मा	श्री दिनेश विश्वकर्मा	शिशु क	गणित, अंग्रेजी	50/50
2.	कृष्णकांत विश्वकर्मा	श्री दयालाल	शिशु क	अंग्रेजी	50/50
3.	कु. लक्ष्मी दांगी	श्री कल्याणसिंह	शिशु ख	गणित, अंग्रेजी	50/50
4.	कु. सुदिति दाँगी	श्री सूरवीरसिंह	शिशु ख	अंग्रेजी	50/50
5.	कु. शिवा रघुवंशी	श्री बब्लू रघुवंशी	शिशु ख	अंग्रेजी	50/50
6.	लखन शिल्पकार	श्री मुकेश	शिशु ख	गणित	50/50
7.	कु. पायल शर्मा	श्री विशन	शिशु ख	अंग्रेजी	50/50
8.	कु. भावना सेन	श्री राधेश्याम सेन	एक	गणित	99/100
9.	विवेक दाँगी	श्री अवधेश सिंह	एक	हिन्दी, पर्यावरण	99/100
10.	हर्ष दाँगी	श्री जालमसिंह	एक	हिन्दी	99/100
11.	कृष राठौर	श्री विजय सिंह	दो	हिन्दी, पर्यावरण	99/100
12.	विष्णुप्रसाद लोधी	श्री आशाराम	दो	हिन्दी	99/100
13.	कु. श्रद्धा दाँगी	श्री बलबीरसिंह	दो	पर्यावरण	99/100
14	कु. सुरभि शर्मा	श्री सुनील कुमार	तीन	हिन्दी	99/100
15.	अरबाज खाँ	श्री फरीद खाँ	चार	अंग्रेजी	99/100
16.	सुदीप दाँगी	श्री बलरामसिंह	चार	अंग्रेजी	99/100
17.	कु. खुशी साहू	श्री शोभाराम	चार	अंग्रेजी, पर्या.	99/100
18.	कु. अम्बिका माथुर	श्री प्राणेश्वर	चार	पर्यावरण	99/100
19.	कु. स्वाति राजपूत	श्री ब्रजभान सिंह	चार	अंग्रेजी	99/100
20.	कु. बिपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्रसिंह	पाँच	अंग्रेजी, पर्यावरण	100/100
21.	कु. मुस्कान ठाकुर	श्री बाबूसिंह	सात	गणित	100/100
22.	कु. प्रार्थना लोधी	श्री हरिनारायण	सात	सामा.विज्ञान	100/100
23.	कु. आस्था दुबे	श्री देवेन्द्र दुबे	आठ	हिन्दी, संस्कृत	100/100
24.	कु. श्रुति शर्मा	श्री सलिल शर्मा	आठ	गणित	100/100

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं का विद्यालय-परिवार हार्दिक अभिनन्दन करता है

DOLPHIN

The School of Wisdom
From the houseof
NAVANKUR

Merit List- 2015

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Nur.	Ku. Nandini Khatik	Mr. Deepak	Mrs. Jyoti	200	Ist	100%
	Kratik Shamra	Mr. Gajendra	Mrs. Ragni	200	Ist	100%
	Rudransh Kushwaha	Mr. Santosh	Mrs. Reema	200	Ist	100%
	Ku. Vaishnavi Rajpoot	Mr. Yogendra Singh	Mrs. Neeta	200	Ist	100%
	Ku. Manya Jakate	Mr. Kritesh	Mrs. Varsh	200	Ist	100%
	Ku. Meenal Jain	Mr. Arvind	Mrs. Sadhna	200	Ist	100%
	Ku. Nandini Raghuw.	Mr. Bakeel Singh	Mrs. Batta Bai	200	Ist	100%
	Ku. Soumya Dubey	Mr. Girish	Mrs. Sapna	200	Ist	100%
	Ku. Koshaki Dubey	Mr. Pradeep	Mrs. Laxmi	200	Ist	100%
	Abhijit Sarkar	Mr. Ajay	Mrs. Mausumi	200	Ist	100%
	Ku. Preeti Raghuwahsi	Mr. Gajendra Singh	Mrs. Rachna	200	Ist	100%
	Naitik Chaturvedi	Mr. Yogesh	Mrs. Rachna	200	Ist	100%
	Tejas Vishwakama	Mr. Sanjay	Mrs. Krishna	199	IInd	99.5%
	Tejas Richhariya	Mr. Rudra	Mrs. Arti	199	IInd	99.5%
	Ku. Palak Sen	Mr. Santosh	Mrs. Pooja	199	IInd	99.5%
	Priyam Sen	Mr. Soudan Singh	Mrs. Seema	199	IInd	99.5%
	Niyati Shilpkar	Mr. Santosh	Mrs. Anita	199	IInd	99.5%
	Jagrat Raghu.	Mr. Surendra	Mrs. Manisha	199	IInd	99.5%
	Chiragni Raghu.	Mr. Dharmendra	Mrs. Priyanka	199	IInd	99.5%
	Abhinav Shrivastava	Mr. Yogesh	Mrs. Rani	198	IIIrd	99%
	Ku. Disha Jain	Mr. Deepak Jain	Mrs. Mitlesh	198	IIIrd	99%
	Priyanshi Dangi	Mr. Sahukar	Mrs. Reena	198	IIIrd	99%
	Yashu	Mr. Jitendra Singh	Mrs. Ramkanya	198	IIIrd	99%
	Pragya Bishoriya	Mr. Yogesh	Mrs. Rekha	198	IIIrd	99%
	Dev Raghuwanshi	Mr. Charan Singh	Mrs. Sonam	198	IIIrd	99%
	Shivam Prajapati	Mr. Jag Mohan	Mrs. Shanti Bai	198	IIIrd	99%
	Ku. Dishita Namdeo	Mr. Krishna Kant	Mrs. Sangeeta	198	IIIrd	99%

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
KG-I	Ku. Tanushi Agrawal	Mr. Ashvini	Mrs. Nandini	200	Ist	100%
	Akshay Gurjar	Mr. Manoj	Mrs. Kiran	200	Ist	100%
	Ku. Khushi Dangi	Mr. Ramraj Singh	Mrs. Ritu	200	Ist	100%
	Satyam Kushwaha	Mr. Diman Singh	Mrs. Ramwati	199	IInd	99.5%
	Pranshi Sen	Mr. Omkar Sen	Mrs. Kranti Bai	199	IInd	99.5%
	Sanyogita Rajput	Mr. Indar Singh	Mrs. Joyoyi	199	IInd	99.5%
	Aastha Raghuwanshi	Mr. Devendra	Mrs. Rani	199	IInd	99.5%
	Naman Raghuwanshi	Mr. Devendra	Mrs. Reena	198	IIIrd	99%
	Shanu Raghuwanshi	Mr. Sanjay	Mrs. Sandhya	198	IIIrd	99%
KG-II	Ku. Nimisha Tiwari	Mr. Sushil	Mrs. Alpna	200/200	Ist	100%
	Arshan Khan	Mr. Kasim	Mrs. Rani	199/200	IInd	99.5%
	Anushka Sharma	Mr. Deepak	Mrs. Manorama	199/200	IInd	99.5%
	Ku. Aditi Lodhi	Mr. Omkar Singh	Mrs. Vimlesh	198/200	IIIrd	99%
	Ku. Nancy Raghuwanshi	Mr. Gajraj Singh	Mrs. Tara Bai	198/200	IIIrd	99%
	Ku. Gauri Raghuwanshi	Mr. Virendra	Mrs. Sangeeta	198/200	IIIrd	99%
I	Ku. Bipasha Thakur	Mr. Rajendra Singh	Mrs. Lekhni	924/930	Ist	99.3%
	Darsheel Shrivastava	Mr. Rakesh	Mrs. Preeti	921/930	IInd	99.03%
	Ku. Praneta Namdev	Mr. Mukesh	Mrs. Jyoti	908/930	IIIrd	97.63%
II	Ku. Saloni Vishwakarma	Mr. Ramsevak	Mrs. Meera Bai	927/930	Ist	99.6%
	Ku. Sonam Meena	Mr. Raghuveer Singh	Mrs. Seela Bai	923/930	IInd	99.24%
	Ku. Kavya Mehta	Mr. Neetesh Kuma	Mrs. Indu	916/930	IIIrd	98.49%
III	Ku. Niharika Tiwari	Mr. Sushil	Mrs. Alpna	1128/1150	Ist	98%
	Ku. Avni Jain	Mr. Rajiv	Mrs. Rajni	1119/1150	IInd	97.3%
	Ku. Naina Kori	Mr. Ghanshyam Das	Mrs. Seema	1105/1150	Ist	98%
IV	Ku. Ritika Choudhary	Mr. Rajesh	Mrs. Suman	1127/1150	Ist	98%
	Kanishak Richhariya	Mr. Pawan	Mrs. Nidhi	1116/1150	IInd	97.04%
	Gautam Raghuwanshi	Mr. Balvan Singh	Mrs. Vranda Bai	1113/1150	IIIrd	96.7%
	Yash Raghuwanshi	Mr. Yogesh	Mrs. Vinita	1113/1150	IIIrd	96.7%
V	Kushi Raghuwanshi	Mr. Khilan Singh	Mrs. Rano	1132/1150	Ist	98.4%
	Himanshu Raghuwanshi	Mr. Devendra Singh	Mrs. Jaishree	1098/1150	IInd	95.47%
	Ku. Akshada Deshpande	Mr. Manish	Mrs. Ratna	1088/1150	IIIrd	94.60%

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
VI	Harsh Jain	Mr. Manoj Jain	Mrs. Preeti	1655/1710	Ist	96.78%
	Anshul Meena	Mr. Raghuveer	Mrs. Sheela	1646/1710	IInd	96.25%
	Dhruv Rai	Mr. Subhash	Mrs. Roshni	1604/1710	IIrd	93.80%
VII	Ku. Kanupriya Mehta	Mr. Rajendra Mehta	Mrs. Vandana	1645/1710	Ist	96.19%
	Kaushik Raw Jatav	Mr. Raw Sahab	Mrs. Sarita	1625/1710	IInd	95.02%
	Ankit Raghuwanshi	Mr. Pran Singh	Mrs. Bhoori Bai	1614/1710	IIIrd	94.38%
VIII	Ku. Shilpi Raghuwanshi	Mr. Yujvendra Singh	Mrs. Vinita	1647/1710	Ist	96.31%
	Aishwarya Dongre	Mr. Avinash	Mrs. Archna	1623/1710	IInd	94.91%
	Muskan Raghuwanshi	Mr. Mahendra Singh	Mrs. Rajkumari	1586/1710	IIIrd	92.74%
IX	Aniruddha Sharma	Mr. Manoj Kumar	Mrs. Neetu	550.1/600	Ist	91.63%
	Ku. Sakshi Rai	Mr. Anil	Mrs. Sangeeta	541.7/600	IInd	90.28%
	Piyush Mathur	Mr. Sanjay	Mrs. Meenakshi	538.2/600	IIIrd	89.7%

RESULT AT A GLANCE-2015

Class	Total Students	Appeared Students	Pass Students	Grade					Percent
				A	B	C	D	E	
Nursery	290	290	280	241	31	06	02	10	96.5%
K.G.I	173	172	167	132	20	09	06	07	97%
K.G.II	121	121	118	92	16	07	03	03	97.50%
I	115	115	114	67	29	17	01	01	99.1%
II	101	101	100	58	33	09	-	01	99.00%
III	99	99	99	64	23	11	01	-	100%
VI	73	73	72	38	25	08	01	01	98.60%
V	69	69	68	33	18	14	03	01	98.5%
VI	72	72	72	29	27	11	05	-	100%
VII	64	64	64	30	23	09	02	-	100%
VIII	52	52	50	21	15	11	03	02	96%
IX	30	30	30	11	14	05	-	-	100%

Navankur School of Computer Science

Ganj Basoda, Distt. Vidisha (M.P.)

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
DCA	Rohit Kumar Yadav	Mr. Jagdish Prasad	Mrs. Manu Bai	273/350	Ist	78%
	Neeraj Raghuwanshi	Mr. Deepsingh	Mrs. Harsiddhi	273/350	Ist	78%
	Pallavi Baghel	Mr. Gopal Singh	Mrs. Laxmi Bai	268/350	IInd	76.6%
	Sonika Meena	Mr. Devisingh Meena	Mrs. Vedvati	267/350	IIIrd	76%
PG DCA	Reena Dangi	Mr. Ramswaroop Dangi	Mrs. Gayatri Bai	457/550	Ist	83%
	Pooja Sharma	Mr. Brajesh Sharma	Mrs. Anita	451/550	IInd	82%
	Pooja Kulshrestha	Mr. Sudhir	Mrs. Madhu	449/550	IIIrd	81.6%

RESULT AT A GLANCE-2015

Class	Total Students	Appeared Students	Pass Students	Back	Percentage
DCA-I	50	50	41	9	82%
DCA-II	49	49	42	8	85.7%
PGDCA-I	50	50	34	16	68%
PGDCA-II	21	21	18	3	85.71%

Congratulation....!

DOLPHIN

Vigyan Manthan Yatra

In the month of November our three meritorious students got the golden opportunity to be a part of Vigyan Manthan Yatra from 8th November to 15th of November. They all went Hydrabad in an education trip where they visited (Scalrjung Museum, National Institute of Nutrition, Indian remote sensing center a part of ISRO) IICT (Indian Institute of Chemical Techonology). They all met different scientists there and went through the working process of the above institutions. They got the practical knowledge of science.

School Activities :-

In this session various activities were conducted for the overall development of students, such as Rakhi Competition, Rangoli, Mehendi and Diya Making Competition in which 460 students took part with great enthusiasm and displayed their creativity at their best and got the prizes.

Bal Rang Mahotsava

In Bal Rang Mahotsava, many students of different classes, participated in various competitions like essay writing, self composed poems, debate, calligraphy writing, quiz etc. They performed well and got selected at Division level. After that BhaskarNath Pandey for essay writing, Aryan Bhardwaj for quiz contest and Harsh Diwakar for calligraphy writing got the opportunity to perform at the state level. Their performance was quite appreciable.

NCSC- In the field of science, four groups took part in National Children Science Congress (NCSC). They gave an outstanding performance at district level. Ayush Yadav with his group members Aniruddha Sharma, Piyush Mathur, Harsh Diwakar and Mas. Aman Raghuwanshi selected at State level and gained practical experience in different fields of science.

Kho-Kho competition -

In this year our students participated in Kho-Kho- competition. Kajal Namdev Std 8th and Hemarani sharma 7th got selected for Division level. They gave an outstanding performance. Kajal Namdev stepped ahead and was selected for state level.

Chess Competition - In the month of Ocotober many students participated in chess competition. Sakshi Rai, Std 9th, Shreya Shirdhonkar, 8th, Ankita Rai, 7th, Divya Shrivasta, 6th, Ankit Diwakar 9th, Ayush Raghuwanshi, 9th, Abhishek Dangi, 10th, Vansh Raghuwanshi, 8th and Adesh Jetley, 1st were selected for division level. They performed very well and Shreya was selected for state level and played very well.

Importance of Money

SinceMoney has come in man's life-
Everything is changed,
Everyone is changed,
The value of man is changed,
Feelings are changed,
Relations are changed,
Even the god's priesity is changed,
Today, Happiness comes to you
by money,
People come to you by money.
Respect is earned by money,
Love, you get by money,
Everything is for money,
of money and by money.....

Khushbu Agrawal
Assistant Teacher
Dolphin School

शिक्षक की कलम से

कैसे करें पढ़ाई

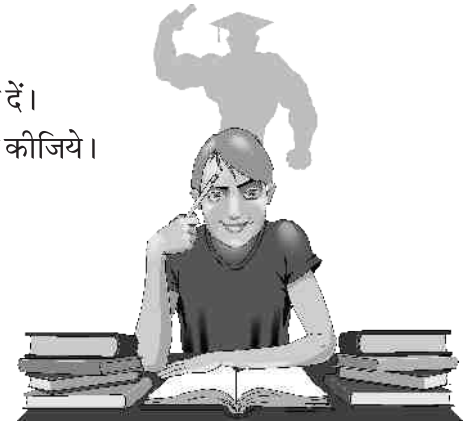

1 एक निश्चित दिनचर्या बनायें एवं उसका पालन करें।
2 अपनी दिनचर्या में अध्ययन, योग, खेल आदि अन्य जरूरी बातों को पर्याप्त समय दें।
3 जल्दी सोइये एवं जल्दी उठिये और कम-से-कम जल्दी उठकर 2 घण्टे अध्ययन कीजिये।
4 अपना एक लक्ष्य निर्धारित कीजिये व इस हेतु कठोर परिश्रम कीजिये।
5 अपने अध्ययन में सभी विषयों को समान समय दीजिये।
6 पहले सरल समस्याओं को हल करें, इसके बाद कठिन की ओर बढ़ें।
7 किसी टॉपिक (सबक) को शिक्षक के डर से न पढ़कर सीखने के लिए पढ़ें।
8 घबराहट व परेशानी में अध्ययन न करें।
9 स्वयं के नोट्स बनायें, ये ही सर्वश्रेष्ठ नोट्स हैं।
10 पढ़ाई पूरे ध्यान ओर लगन के साथ करें।
11 पढ़ाई हेतु हवादार व रोशनी युक्त कमरे एवं बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्थाएँ करें एवं एकान्त में पढ़ें।
12 क्लॉस में पढ़ाया जाने वाला टॉपिक घर से पढ़कर आयें समझने में आसानी होगी।
13 एक जगह बैठकर पढ़ने की आदत डालें तथा पढ़ते समय ध्यान इधर-उधर न होने दें।
14 पढ़ते समय मोबाइल, लेपटॉप, वीडियोगेम आदि को दूर रखें।
15 नया टॉपिक पढ़ने से पहले पुराने टॉपिक को अवश्य देखें।
16 प्रत्येक 90 मिनट के अध्ययन के बाद 5 मिनट का गेप लें।
17 महत्त्वपूर्ण व कठिन प्रश्नों पर विशेष ध्यान दें।
18 जरूरी बातों को चिह्नित करें एवं बड़े टॉपिकों को खण्डों व रेखाचित्रों में परिवर्तित करके याद रखें।
19 तोते की तरह रटने की अपेक्षा किसी टॉपिक को पूर्ण करके अपने शब्दों में सार रूप में याद रखें।
20 फार्मूले, सिद्धान्त, नियम आदि अच्छी तरह याद करें, इनके बिना सवाल हल नहीं किये जा सकते।
21 शिक्षक के लेक्चर को पूरे ध्यान से सुनें, क्योंकि यह किताबी भाषा से काफी सरल व व्यावहारिक होता है।
22 लिखावट पर विशेष ध्यान दें, यह विद्यार्थी का आभूषण है।
23 अपने ज्ञान को हमेशा बढ़ाते रहिये, अपनी समस्याएँ अपने शिक्षक को नि:संकोच बतायें।
24 कल्पनाएँ कीजिये, ये आपकी सोच को व्यापक बनाती हैं।
25 अपने माता-पिता, भाई-बहिन, शिक्षक की उम्मीदों व उम्मीदों पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करें।
26 स्कूल में निर्धारित यूनिफॉर्म पहने एवं अपनी कॉपी-किताबें, बाल, नाखून, लिबास साफ रखें।
27 रोज का काम रोज करें व ईश्वर में आस्था रखें।
28 बादाम खायें, ये याददाश्त बढ़ाते हैं।
29 अनुशासित रहें, यह सफलता हेतु आवश्यक है।
30 अपनी कमियों को दूर करने हेतु प्रयासरत रहिये।
31 ज्ञानी, श्रेष्ठजन, शिक्षक, माता-पिता आदि से अनुभवों एवं ज्ञान को प्राप्त करने हेतु लालायित रहिये।

- यतेन्द्र बड़ोनिया
शिक्षक नवांकुर

बच्चों की कलम से

Thoughts

1. Nothing is a waste of time if you use the experience wisely.

-Auguste Rodin. (Swlptor)

2 Nobody can go back and start a new beginning, but anyone can start today and make a new ending.

-Maria Robinson.

3. Yesterday is not ours to recover, but tomorrow is ours to win or lose.

- Lyndon Johnson

4. Try not to become a man to success, but rather try to become a man of values

- Albert Einstein.

5. We must use time wisely and forever realise that the time is always ripe to do right.

- Nelson Mandela.

Priyansh Shrivastava
Class- 7th (B) Dolphin

Good, better, best. Never let it rest. Until your good is better and your better is best.

- Jim Duncan.

It is not only for what we do that we are held responsible, but also for what we do not do.

- Molire (French Playwright, Actor

Success is not final, failure is not fatal. it is the courage to continue that counts.

-Winston Churchill.

Mohit Raghuwanshi
Class- 8th A Dolphin

Seas, Oceans & their Area

S.No.	Name of Ocean/sea	Area (Sq.Km.)
1	Pacific Ocean	166242000
2	Atlantic Ocean	86557800
3	Indian Ocean	13427800
4	South China Sea	2974600
5	Caribean Sea	2515900
6	Mediterranean Sea	2510000
7	Bering Sea	2261100
8	Sea of Okhotsk	1527570
9	Gulf of Mexico	1507600
10	Arctic Ocean	13223800

Chitranshi Shrivastava
Class - 7th B

21 वीं सदी

21 वीं सदी की नारी,
मर्दों पर पड़ेगी भारी,
पहनेगी कोट–पेण्ट बदल जायेगी साड़ी।
21 वीं सदी के नेता,
देश का करेंगे पलीता,
जनता का वोट लेकर खुद बनेंगे विजेता।
21 वीं सदी का भोजन,
जहमत न उठाइये,
दो केप्सूल सुबह–शाम खाइये,
माशाल्लाह ! तन्दुरुस्ती पाइये।
21 वीं सदी के शिष्य
कक्षा में होंगे अदृश्य।
हाथ में होंगे फोन
बोलेंगे मुँह से श्लोक–
गुरु: टीवी गुरु: सीडी गुरु: रिमोटाय नम: ।
गुरु: कियोस्काय तस्मै श्री कम्प्यूटराय नम: ।।

– कु. चंचल राजपूत
कक्षा– 11 (वाणिज्य–प्रथम)

trafic lights

Redlight ! Red light!
What do you say?
I say stop! stop.
stop right away.
Yellow light ! Yellow light.
What do you mean?
I mean wait! Wait!
Till the light goes green.
Green light! Green light.
What do you say?
I say go and go bright away.

Ayushi Kushwaha
Class 5th A

विद्यालय के यादगार पल

कहते हैं जिन्दगी गाड़ी के दो पहियों की तरह होती हे, वह आगे बढ़ती है, लेकिन वह तभी बढ़ सकती हे, जब उसे चलाने के लिए मार्गदर्शन अच्छा दिया गया है। इसी तरह मेरा मार्गदर्शन नवांकुर ने किया। यह एक ऐसी संस्था है, जो सदा बच्चों को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने हेतु प्रयासरत रहती है; पर जब आज इस विद्यालय को छोड़ने की बारी आ रही है, तो आँखों से आँसू झलक रहे हैं।

बचपन की वे सुनहरी यादें, शरारतें, दोस्तों से लड़ना, साथ–साथ खेलना–खाना और शिक्षकों को परेशान करना। इस बारे में सोचकर जो आनन्द प्राप्त होता था, आज उसी असीम आनन्द से विदा लेने का समय निकट आ रहा है।

इस विद्यालय ने मुझे जो प्यार, दुलार, अपनापन दिया है, मैं इसे कभी नहीं भूल पाऊँगी। यह विद्यालय बच्चों से एक परिवार की तरह प्यार करता है, जो हमारे सुख–दु:ख में भी साथ देता है। अब यह मेरा अन्तिम वर्ष है। मैं इस भूमि पर बिताये हर पल को याद करूँगी।

हमारे शिक्षकों की डाँट–फटकार, रावत सर के प्रेरक प्रसंग, पिंगले सर की टॉफी, जो अभी तक मुझे नहीं मिली। माननीय प्राचार्य जी की अंग्रेजी और अनुशासन शायद ही मुझे आगे कॉलेज में मिलें। मैं अपनी इस डाँट को भी याद करूँगी, क्योंकि अगर ये डाँट न होती, तो हम थोड़ा कम आगे बढ़ पाते। इस डाँट के पीछे भी हमारा भविष्य छिपा होता था।

हम कक्षा 12 वीं के छात्र–छात्राएँ इस वर्ष अपनी पढ़ाई पूरी करके नवांकुर–परिवार को छोड़कर चले जायेंगे। इस विद्यालय ने जो अगाध–प्रेम आत्मविश्वास, प्रेरणा दी है, उसके लिए मैं हमेशा इसकी आभारी रहूँगी।

जिस भूमि पर मेरा बचपन बीता, हमें ज्ञान व लक्ष्य–प्राप्ति के लिए मार्गदर्शन मिला, उस विद्यालय को मेरा कोटि–कोटि प्रणाम।
अन्त में, मैं यह कहना चाहूँगी–
इस नवांकुर की भूमि पर, मिला है जो प्यार,
हमेशा याद आयेगा, ये नवांकुर–परिवार।
वो प्राचार्य का प्यार, शरारत पर फटकार,
हमेशा सतायेगी, ये प्यारी–प्यारी याद।
अबोध जीवन में खिलाया है, जिसने चमन,
इस प्यारे नवांकुर को, मेरा शत्–शत् नमन।

– कु. प्रीति राजपूत
कक्षा–12 (गणित)

माँ

एक पहेली अनसुलझी–सी कि
माँ ! तुम क्या हो ?
कभी क्रोध से जल उठती हो,
कभी प्यार से दुलारती हो,
जिन्दगी के हर मोड़ पे, हमें क्यों साये सी लगती हो,
हम जब भी जीते कोई बाजी,
तुम कितनी खुश हो हाती हो,
और हार गये हम बाजी में तो,
तुम सम्बल बन जाती हो,
हम खुश होते, तुम खुश होतीं,
मायूसी में घबराती हो,
प्यार से रोटी हमें खिलाकर, कितनी खुश हो जाती हो।
अगर चोट लग जाये हमें तो,
तुम तड़प किस तरह जाती हो,
अगर क्रोध में आकर हम, तुम को कुछ कह जाते हैं,
कैसे माँ !
वह गुस्सा खुशी–खुशी सह जाती हो।
एक पहेली अनसुलझी–सी कि
माँ तुम क्या हो ?
सागर की गहराई हो, तरुवर की छाया हो,
अम्बर की ऊँचाई हो, बादल हो साया हो,
एक पहेली अनसुलझी–सी कि
माँ ! तुम क्या हो ?
तुम्हारी उपमा नहीं किसी से तुम माँ हो
बस, माँ हो।

–कु. प्रिया शर्मा
कक्षा–11 (गणित)

काश। कभी ऐसा होता

काश ! कभी ऐसा होता, संसद के दोनों सदनों में,
बच्चों की कक्षाएँ चलतीं, राष्ट्रपति अध्यापक होते,
और मैं एक बच्चा होता।

काश ! कभी ऐसा होता,
मैं जाता अस्पताल में, और वो बिल्कुल खाली होता,
डॉक्टर खुश होते, रोगी आया, और मुझको कोई रोग न होता।

काश ! कभी ऐसा होता,
प्रधानमन्त्री से मिलने को, चुपचाप सन्तरी जाने देता,
एम.पी. बुलाकर चाय पिलाता, हाल पूछता,
और मुझको कोई काम न होता।

काश ! कभी ऐसा होता,
हर ऊँची बिल्डिंग वाला, झुग्गी वालों को घर देता,
मैं भी छोटा–सा घर बनाता, और उसे आत्मनीड़ नाम देता।

काश ! कभी ऐसा होता,
मैं किसी दफ्तर में जाता,
और वहाँ मेरा स्वागत होता,
बिना रिश्वत, बिना सिफारिश,
काम मेरा झटपट होता।

काश ! कभी ऐसा होता,
पुलिस वाले हमसे पूछते,
क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ ?
वकील सारे केस ढूँढते,
लेकिन कोई केस न होता।

काश ! कभी ऐसा होता,
बाल ठाकरे सीमा पर पिच बनाते,
भारत–पाकिस्तान का मैच होता,
कोई अम्पायर न होता,
और मैच ड्रॉ होता।

काश ! कभी ऐसा होता,
पढ़ सकते हम एक दूजे के मन को,
अनुभव कर सकते उनके दर्द को
उनका दिल हमारे सीने में धड़कता,
और मेरा कोई दर्द न होता।

– कु. गीतिका कुशवाह
कक्षा–12 (वाणिज्य–प्रथम)

माँ और भगवान

मैं अपने छोटे मुख से कैसे करूँ तेरा गुणगान !
माँ ! तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान।
माता कौशल्या के घर जन्म राम ने पाया,
ठुमक-ठुमक आँगन में चलकर सबका हृदय जुड़ाय,
पुत्र-प्रेम में थे निमग्न कौशल्या माँ के प्राण,
माँ ! तेरी समता मैं फीका-सा लगता भगवान।
दे मातृत्व देवकी को यशोदा की गोद सुहाई,
ले लकुटी वन-वन भटके गोचारण कियो कन्हाई।
सारे ब्रजमण्डल में गूँजी थी वंशी की तान,
माँ ! तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान।
तेरी समता में तू ही है मिले न उपमा कोई,
तू न कभी निज सुत से रूठी मृदुता अमित समोई।
लाड़-प्यार से सदा सिखाया तूने सच्चा ज्ञान,
माँ ! तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान।
कभी न विचलित हुई रही सेवाओं में भूखी प्यासी,
समझ पुत्र को रुग्ण मनौती मानी रही उपासी।
प्रेमामृत नित पिला पिलाकर किया सतत् कल्याण,
माँ ! तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान।

कु. रितिका रघुवंशी
कक्षा-12 (गणित)

प्रार्थना

हे भगवान् करा दो पास,
साल-भर करते पढ़ाई काश,
फेसबुक चलाने में गँवाये बारा मास,
पास होने की नहीं है आस।
साल-भर ट्यूशन लगाई,
कोचिंगों की हो गई कमाई।
मेहनत न कुछ रंग लाई,
फेल हो गये हम तो भाई।
साल-भर का सत्यानाश, हे भगवान्.....
घर से भागे जेब खाली,
ख्याल ये कुछ भारी-भारी।
पढ़ लेते अगर हम काश,
पछताते न यूँ हम आज।
आज हम फैलायें हाथ, हे भगवान्.....
घर जाने पर होगी पिटाई,
साल-भर दोस्तों में गँवाई।
बिल्कुल भी न की पढ़ाई,
हाय-राम, कहाँ किस्मत लाई।
आगे कुआँ, पीछे खाई।
अब फिरें हम चराते घास, हे भगवान्.....।

कु. वर्षा यादव, कक्षा-12 (वाणिज्य-प्रथम)

रिश्तों का बाजार

कदम रुक गये, जब पहुँचे हम रिश्तों के बाजार में
बिक रहे थे रिश्ते खुले आम-व्यापार में,
काँपते होठों से मैंने पूछा, क्या भाव है भाई इन रिश्तों का ?
दुकानदार बोला- कौन-सा लोगे ?
बेटे का ..... या बाप का ..... ?
बहिन का..... या भाई का..... ?
बोलो कौन-सा चाहिये ?
इंसानियत का या प्रेम का ?
माँ का या विश्वास का ?
बाबूजी कुछ तो बोलो, कौन-सा चाहिये ?
चुपचाप खड़े हो, कुछ बोलो तो सही..... ?
मैंने डरकर पूछ लिया दोस्त का..... ?
दुकानदार नम आँखों से बोला:-
संसार इसी रिश्ते पर ही तो टिका है,
माफ करना बाबूजी, ये रिश्ता बिकाऊ नहीं है,
इसका कोई मोल नहीं लगा पायेगा।
और जिस दिन ये बिक जायेगा.....
उस दिन ये संसार उठ जायेगा.....।

- कु. पूर्वा रघुवंशी, कक्षा-12 (वाणिज्य प्रथम)

भगवान तेरे संसार में

भगवान तेरे संसार में क्या आज होता है।
अब जमाना लाज से बे-लाज होता है।
लड़कियाँ भी पहनती मर्द का बाना,
इस जहाँ में शर्म के पर्दे की परवाह ना,
लड़की-लड़के का नहीं अन्दाज होता है।
कुँआरी लड़की दोस्तों संग डांस करती हैं,
नव दुल्हन साड़ी पल्ला सर पे ना धरती है,
पढ़े-लिखों को इसी चलन पे नाज होता है।
राम-नाम की जगह पे हैलो-हाय होती है,
धर्म की फीकी पड़ी पूरण ये ज्योति है,
हर जगह अब धर्म का अपमान होता है,
मूँछ जबकि मर्द की पहली निशानी है,
मूँछ कटवा कर लगे सूरत जनानी है,
बाल हिप्पीकट का सर पे ताज होता है.....
गिरजा-मस्जिद-मन्दिरों में पड़ रहा ताला,
हर समय रहती भरी लोगों से मधुशाला,
घोर भ्रष्टाचार का रसपान होता है।
भगवान तेरे संसार में क्या आज होता है।

- जतिन जैन
कक्षा- 6अ (डॉल्फिन)

तेरी दुनिया अपने को जमी नहीं

बुरों को जीत दुनिया में, भलाई ठोकरें खाये,
यहाँ क्या हो रहा मालिक, ये कैसे बतलाये।
भगवान तुझे मैं खत लिखता, पर तेरा पता मालूम नहीं,
रो-रो लिखता जग की विपदा पर तेरा पता मालूम नहीं।
भगवान तुझे मैं खत लिखता।

तुझे भला लगे या बुरा लगे, तेरी दुनिया अपने को जमी नहीं,
कुछ कहते हुए डर लगता है, यहाँ दुष्टों की कुछ कमी नहीं।
मालिक ! तुझे सब कुछ समझाता पर पर तेरा पता मालूम नहीं,
भगवान तुझे मैं खत लिखता, पर तेरा पता मालूम नहीं।

मेरे सर पर दु:खों की गठरी है, रातों को नहीं मैं सोता हूँ,
कहीं जाग उठे न पड़ोसी, इसलिए जोर से मैं नहीं रोता हूँ।
तेरे सामने बैठके मैं रोता, पर तेरा पता मालूम नहीं,
भगवान तुझे मैं खत लिखता पर तेरा पता मालूम नहीं।

कुछ कहूँ तो दुनिया कहती है आँसू न बहा,
बकवास न कर, बकवास न कर, बकवास न कर।
मालिक मेरा सत्यानाश न कर।
तेरे पास मैं खुद ही आ, जाता पर पर तेरा पता मालूम नहीं।
भगवान तुझे मैं खत लिखता पर तेरा पता मालूम नहीं।

- कु. चंचल भारद्वाज, कक्षा-12 (गणित)

स्वामी विवेकानन्द

देशभक्त युग-पुरुष तुम, ज्ञान के पुंज महान।
तुम जैसा कोई देश में, जनमा इंसान।
भारतीय संस्कृति दर्शन का, किया विश्व में नाम।
स्वामी विवेकानन्द को बारम्बार प्रणाम।
विश्व-बन्धुत्व की भावना, और संस्कृति से प्यार।
वेदों का तुमने किया, जग में खूब प्रसार।
जग में खूब प्रसार, विदेशी दंग रह गये,
करो स्वदेश से प्यार, विवेकानन्द कह गये।

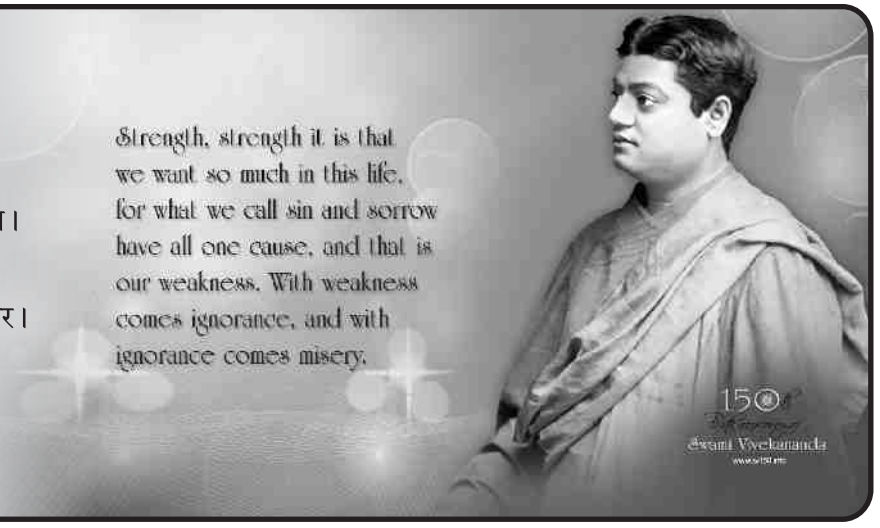

दुष्ट मलेरिया

दस लाख से तीस लाख जन जिसके प्रतिवर्ष बनते ग्रास,
संक्रामक व्याधि यह, वाहक जनित जिससे हो जीवन ह्रास।
चार प्लाज्मोडियम पैरासाईट इसके हैं प्रसारक मूल।
एनोफेलीज मादा है देती आक्रामक इसको तूल।
चक्कर, बुखार, खाँसी, जुकाम, सर्दी, मूर्च्छा, इन सबका योग
अत्यन्त भयावह दानव–सा है, यह दुष्ट मलेरिया रोग।
50 हजार वर्षों से करता आया है, मानव को यह दग्ध।
इतिहास बताता चिम्पांजी में, रहे परजीवी इसके उपलब्ध।
प्रथम बार 1880 में बीच, लाल कोशिका रक्त।
चार्ल्स लुई अल्फांस लैवरेन, था जो सैन्य चिकित्सा भक्त।
प्रस्ताव उसी का प्रोटोजोआ परजीवी से, फैले मलेरिया रोग।
नोबेल चिकित्सा का था पाया, 1907 में अजब रहा यह संयोग।
सिनकोना विटप छाल से पहला, हुआ सम्भव इसका उपचार।
इसकी कुनैन को पियर पेलेतियर व बियांनेमे केवेन्तु ने, कुनैन नाम दिया साधिकार।
प्रति 30 सेकेण्ड में एक मृत्यु का है उत्तरदायी यह रोग।
शिशु–बाल–प्रसूताओं–हित, होता बहु–घातक यह रोग।

मानवता ही नहीं अर्थतन्त्र इससे हो क्षण–क्षण जीर्ण।
जीवनहर्ता व्याधि भयावह,करती जगत विदीर्ण।
गम्भीर रोगी, आधे घण्टे में है सकता दम तोड़।
महामारी यह शत्रु विनाशक दें इसका जवाब मुँहतोड़।।
शिशु में दिमागी मलेरिया बन यह असमय उन्हें हर जाता।
हैसते शैशव पर कहर ढा, श्मशान देहरी कर जाता।
अत्यन्त भयावह परजीवी पी.फैलसीपैरम सर्वाधिक मृत्यु हित जिम्मेदारी।
जो खग, चिम्पांजी मुर्गी बहुजीवों, सबका करता निर्मम संहार।
डरें नहीं सुदृढ़ हो इससे, निपटें लम्बे हाथ।
त्वरित परीक्षण, जाँच उपचार, से दें रोगी का साथ।
सर्वत्र व्याप्त है आज विज्ञान के विलक्षण नव चमत्कार।
उपयुक्त चिकित्सा, परामर्श–औषधि से करें इसका त्वरित उपचार।
भयभीत न किंचित, इससे लोहा लें, दें मानवता को लाभ।
मानव जीव–रक्षण हो लेकिन निकलें स्वयं मलेरिया के प्राण।
जों चेतें, जागरूकता फैला डरे मलेरिया दुष्ट।
पर्याप्त औषधि–उपचार सुलभ, से भरे स्वयं हो रुष्ट।

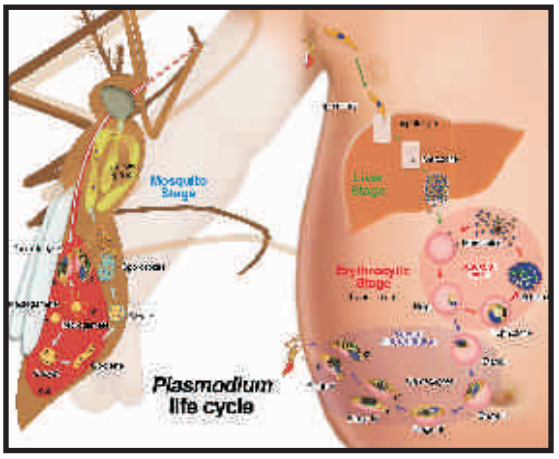

– कु. आकांश बघेल, कक्षा–12 (जीव विज्ञान)

चूहों की चतुराई

देखे जब दो दर्जन चूहे,
कण्डक्टर घबराया।
सारे थे बस में सवार,
पर टिकिट एक कटवाया
बोला–दो दर्जन हो तुम सब,
सबका टिकिट लगेगा।
एक टिकिट में सब जा पायें,
यह तो नहीं चलेगा।
कण्डक्टर की बातें सुनकर,
चूहे आगे आये।
दे दो अलग–अलग टिकिटें,
कह आगे नोट बढ़ाये।
पर चूहों ने शर्त रखी हम,
अलग–अलग बैठेंगे।
चौबीस टिकिटें यदि लेंगे तो,
उतनी सीटें लेंगे।
चूहे की फरमाइश सुनकर,
कण्डक्टर चकराया।
एक टिकिट में ही उन सबको
मंजिल तक पहुँचाया।

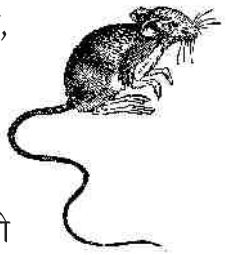

– कु. अंकिता यादव
कक्षा–12 (गणित)

छोड़ो पॉलीथीन

उर्वर–क्षमता धरा की, यह करती है क्षीण
गाय–भैंस खाकर इसे, होय धरा में लीन।
होय धरा में लीन, नष्ट न यह होती है,
पर्यावरण को खतरा पैदा यह करती है।।
जीवन जीना चाहते हो यदि बेहतरीन।
थैला रक्खो साथ में, छोड़ो पॉलीथीन।

– कु. प्रज्ञा श्रीवास्तव
कक्षा–11 (जीव विज्ञान)

मानवता

पानी में पवित्रता नहीं फिर भी हम पीते जा रहे हैं।
सुई में धागा नहीं, फिर भी हम सीते जा रहे हैं।
दिमागों को खोल कर सोचो दुनिया के लोगो
जिस जीवन में सार नहीं, उसमें भी हम जीते जा रहे हैं।
हृदय को छू नहीं पाया, तो गीत गाया ही क्या
शरीर को पुष्ट नहीं किया ,तो खाया ही क्या।
मानव है, हम मानवता के लिए कुछ करें साथियो,
नहीं तो हमने इस धरा पर जन्म पाया ही क्या।
पतन को थाम दे, उस उत्थान का मोल अधिक होता है,
अज्ञान को हटा दे, उस विज्ञान का मोल अधिक होता है।
बढ़–बढ़ कर बातें बखानने वाले लोगो मेरी भी सुनो,
वक्त पर किये हुए बलिदान का मोल अधिक होता है।
साँसों की लड़ियाँ कब टूट जायें, कोई पता नहीं है।
नश्वर मिट्टी का घर कब फूट जाये कोई पता नहीं है।
जीवन में गत–आगत नहीं वर्तमान का समय श्रेष्ठ है,
कल्पना का नाम कब टूट जाये कोई पता नहीं है।

– कु. रेशु जैन
कक्षा– 12 (वाणिज्य)

मेरी चाहत

जीवन में कुछ करने की चाहत,
जिन्दगी को खुशियों से भरने की चाहत,
परेशानियों मं भी खुश होकर जीने की चाहत,
बंजर जमीन पर पेड़ उगाने की चाहत,
कड़क धूप में बारिश लाने की चाहत,
रोने के बाद मुस्कुराने की चाहत,
फूल के काँटों को कोमल बनाने की चाहत,
सूरज की धूप को ठण्डी छाँव बनाने की चाहत,
कुछ न होने पर भी सब कुछ पाने की चाहत,
जमीन पर रहकर भी आसमान को छूने की चाहत,
अपने इस जीवन में गर्व से सिर उठाकर जीने की चाहत।

– कु. सोनम राजपूत
कक्षा–12 (वाणिज्य–प्रथम)

दुविधा

ये जो आप पढ़ने जा रहे हैं, मेरे मन के विचार हैं। ये विचार मेरे मन में उस समय आये, जब मैं एक दिन अपने जीवन के लक्ष्य के बारे में विचार कर रहा था। मैं पढ़ना चाहता हूँ व एक सफल नागरिक बनकर, जो अपने माता-पिता, जो मेरे लिए दिन-रात कष्ट व अनेक दु:खों का सामना मुस्कराते हुए कर रहे हैं, को सुख दे सकूँ, एक ऐसा नागरिक, जो इस देश के लगभग 20 व्यक्तियों की गरीबी को जड़ से मिटा सके। मैं अपने उस लक्ष्य की ओर अग्रसर हूँ, किन्तु कभी-कभी मेरा मन पढ़ाई से हट जाता है। उस समय मैं चाहते हुए भी किताब को हाथ तक नहीं लगा पाता हूँ। उस घोर नकारात्मक समय में ये पंक्तियाँ अनायास ही मेरे मन में आयीं, जो कुछ ऐसी हैं कि -

असम्भव कुछ भी नहीं,
सम्भव आसान नहीं।
दिल तो चाहता है,
मगर दिमाग को परवाह नहीं।
रातों को जागते हैं,
दिन में भी जागते हैं।
फिर भी न जाने क्या वो,
जो हाथों को बाँधते हैं,
तभी मेरे दिल ने कहा,
ये दिमाग है, और कुछ नहीं।
जवाब की तलाश है,
फिर भी कहीं मिला नहीं।

परन्तु हर समस्या का जन्म उसके समाधान के साथ ही होता है। मुझे कुछ हद तक समाधान मिला, जो कुछ ऐसा है कि-

देखो जरा वो चाहतें,
हैं जो तुम्हारे दिल में।
देता है देश जो तुमको जब,
माँगता है तुमसे वो बदले में।
देखो उन्हें, बस जो तुम्हें,
चाहते हैं देखना बनते कुछ।
इस देश के उस उदर में झाँक,
तुमसे जो माँगता है कुछ-न-कुछ।
जरा याद कर वो रातें जिन्हें,
काटा है तूने जो जागते,
बस उन्हीं के पथ पे तू फिर से चल,
हैं जो मंजिलें तेरे दिल में।

- कामेश गौड़
कक्षा-12 (गणित)

मातृ-पितृ-भक्ति

एक बालक अपने माँ-बाप की खूब सेवा किया करता था। उसके दोस्त उससे कहते थे कि अगर इतनी सेवा तुमने भगवान् की कर ली होती, तो तुम्हें भगवान् मिल जाते; लेकिन इन सब चीजों से अनजान वह अपने माता-पिता की सेवा करता रहा। एक दिन उसके माँ-बाप की सेवाभक्ति से खुश होकर भगवान धरती पर आ गये। उस वक्त वह बालक अपनी माँ के पाँव दबा रहा था। भगवान दरवाजे को बाहर से बजाने लगे, दरवाजा खोलो, बेटा! मैं तुम्हारी माता-पिता की सेवा से प्रसन्न होकर तुम्हें वरदान देने आया हूँ। बालक ने कहा- इन्तजार करो, प्रभु मैं माँ की सेवा में लगा हूँ। भगवान बोले-देखो, मैं वापस चला जाऊँगा। बालक ने कहा-आप जा सकते हैं भगवान जी! मैं सेवा बीच में नहीं छोड़ता। कुछ देर बाद उसने दरवाजा खोला, तो देखता है कि भगवान बाहर खड़े थे। भगवान बोले-लोग मुझे पाने के लिए कठोर तपस्या करते हैं, मैं तुम्हें सहज ही में मिल गया, पर तुमने मुझसे प्रतीक्षा करवायी। बालक ने जवाब दिया-हे ईश्वर! जिन माँ-बाप की सेवा ने आपको मेरे पास आने को मजबूर किया, उन माँ-बाप की सेवा बीच में छोड़कर मैं दरवाजा खोलने कैसे आता! यही इस जिन्दगी का सार है, जिन्दगी में हमारे माँ-बाप से बढ़कर कुछ भी नहीं है। हमारे माँ-बाप हमें यह जिन्दगी देते हैं। हमारा भी यह फर्ज बनता है कि हम कभी उन्हें दु:ख न दें। उनकी आँखों में आँसू कभी न आयें, चाहे परिस्थिति जो भी हो।

- केशु जैन
कक्षा-10 स

सफलता का राज

सफलता की कामना हम सभी करते हैं, आप भी करते होंगे। कौन नहीं चाहता कि वह भी अपने जीवन में सफल हो और अपनी एक पहचान बना सके, पर जीवन में कुछ लोग सफल होते हैं, कुछ असफल। हम सभी सफलता की कामना तो करते हैं, पर उसके लिए हाथ-पैर पटकते ही नहीं और न ही हमने स्वयं में उन गुणों व योग्यताओं को धारण किया है, जो सफलता के लिए बेहद जरूरी है।

सफलता आपका जन्मसिद्ध अधिकार

क्या आप जानते हैं कि सफलता प्राप्त करना हर जीवित प्राणी का जन्मसिद्ध अधिकार है। एक नन्हीं-सी चींटी भी अपने वजन से कई गुना अधिक भोज्य पदार्थ अपने बिल में ले जाती है। बीच-बीच में उससे भोज्य पदार्थ छूट जाता है, पर चींटी उसे नहीं छोड़ती और आखिरकार अपने लक्ष्य में सफल होकर ही रहती है। फिर हम तो मनुष्य हैं, हम उस नन्हीं-सी चींटी से कई गुना ज्यादा हैं। जन्मदात्री माँ के गर्भ से पीड़ाओं के बावजूद सफलतापूर्वक निकलकर इस संसार में आ गये और ईश्वर की कृपा से जीवित हैं, तो क्या हम अपने-आप को सफल समझते हैं। हमारा जन्म अपने आप में एक सफलता थी, हमारा शारीरिक विकास हुआ, यह दूसरी बड़ी सफलता थी। अब सफलता की ओर बढ़ने का आपका हौसला क्यों नहीं होता? यहाँ ध्यान रखने वाली बात यह है कि सफलता यदि आपका जन्मसिद्ध अधिकार है, तो इसको आपको ही प्राप्त करना होगा। कोई दूसरा आपके इस अधिकार को प्लेट में रखकर आपको प्रदान नहीं कर सकता और न कोई आपको आपके इस मौलिक अधिकार से वंचित कर सकता है। सफलता प्राप्त करने के लिए प्रयास तो आपको ही करना है। सफलता के इस अधिकार को भी आपको ही प्राप्त करना है। यदि आप ही अपने अधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे तो, अन्य अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निःसन्देह आपसे बाजी मार ले जायेंगे।

जिस प्रकार लोकमान्य तिलक ने अपनी ओजस्वी वाणी से कहा था-स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर ही रहूँगा। उसी प्रकार आप भी उठें और मन-ही-मन पूरी ताकत से अपने-आप से कहें कि सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे प्राप्त करके ही रहूँगा।

क्या आप नहीं जानते कि आरम्भ यदि अच्छा हो, तो अन्त भी अच्छा ही होता है। वैसे ही सफलता चीज ही है, अन्त की। प्रारम्भिक सफलता को सफलता मान लेना एक भयंकर भूल होगी। यदि आप जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो प्रत्येक सफलता को समझिये।

क्षणिक सफलता, सफलता नहीं होती है। असफलता के अनुभव का समुचित उपयोग कीजिये।

असफलता ही सफलता की सीढ़ी है -

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए भी कुछ अनिवार्यताएँ हैं, जिनका अभ्यास जितनी जल्दी हो सके करना चाहिए, ताकि असफलताओं से बचा जा सके।

इन गुणों को अपनाईये :-

1 स्वस्थ शरीर और सादा रहन-सहन,
2 ऊँचा उठने और आगे बढ़ने की नैसर्गिक वृत्ति का वर्धन,
3 जिज्ञासु प्रवृत्ति,
4 उत्तम स्वभाव,
5 प्रेरणास्पद वाणी,
6 अपने जीवन और अपने कार्य में रुचि,
7 स्पर्द्धा स्वयं से करें, औरों से नहीं,
8 सतर्क रहिये और चिन्ता छोड़िये,
9 अपनी शक्तियों (इच्छा-शक्ति, विवेक-शक्ति, सम्प्रेषण-शक्ति) का उपयोग कीजिये।

प्रत्येक व्यक्ति यदि इन नवरत्नों या गुणों को अपनाता है, तो वह सफलता से कभी वंचित नहीं होगा अर्थात् हर कदम पर उसे सफलता प्राप्त होगी।

- कु. मोना अहिरवार
कक्षा-12 (जीव विज्ञान)

महत्त्वपूर्ण जानकारी

1. हाल ही में सर्न द्वारा खोजे गये दो उप-परमाणु कणों का नाम क्या है ?

उत्तर- Xi-b'- और Xi-b*-

2. वर्तमान में टियान-2 दुनिया में सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर है, यह किस देश के अन्तर्गत आता है ?

उत्तर- चीन।

3. किसे भारत के वैकल्पिक गर्वनर के रूप में एशियाई विकास बैंक के बोर्ड आफ गवर्नर्स पर नियुक्त किया गया है ?

उत्तर- राजीव महर्षि।

4. ऑक्सफोर्ड शब्दकोश द्वारा वर्ष 2014 के शब्द के रूप में "Vape" शब्द को घोषित किया गया है, "Vape" का अर्थ क्या है ?

उत्तर- ई-सिगरेट से श्वांस वाष्प करना।

5. टॉप 500 सुपर कम्प्यूटर सूची में 52 रैंकिंग पर भारतीय कम्प्यूटर का क्या नाम है ?

उत्तर - पृथ्वी आई डेटा फ्लेक्स

- विनय दाँगी
कक्षा-12 जीव विज्ञान

शरीर-रचना

1 अस्थियों की कुल संख्या - 206।
2 सबसे छोटी अस्थि स्टेप्स मध्यकर्ण में है।
3 सबसे बड़ी अस्थि फीमर है।
4 कशेरुकों की संख्या 33 है।
5 पसलियों की संख्या 12 जोड़ी है।
6 दाँतों की संख्या 32 (वयस्क में)28(बच्चों में)है।
7 शरीर में पेशियों की कुल संख्या 639 है।
8 सबसे बड़ी पेशी ग्लूटियस मेक्सिमम (नितम्ब-पेशी) है।
9 सबसे लम्बी पेशी सार्टोरियस पेशी है।
10 शरीर में रक्त की कुल मात्रा शरीर के भार का आठ प्रतिशत होती है।
11 लाल रक्त कणिकाओं की संख्या नर 5*10^{6} घन मि.मि. तथा मादा 4.5*10^{6} घन मि.मि. होती है।
12 हीमोग्लोबिन की औसत मात्रा 14-15 ग्राम / 100 मि.ली / रुधिर होती है।
13 सबसे बड़ी धमनी उदरीय महाधमनी होती है।
14 सबसे बड़ा शिरा पश्च महाशिरा होता है।
15 सबसे लम्बी तन्त्रिका सायटिक होती है।
16 सबसे बड़ी ग्रन्थि यकृत होती है।

- कु. रितु शर्मा
कक्षा-12 गणित

क्या आप जानते हैं, ये रोचक तथ्य ?

1. जब आप झूठ बोलते हैं, तो आपकी नाक गर्म हो जाती है।
2. अगर बेकग्राउण्ड में, हल्का, संगीत बज रहा हो, तो आप अधिक ध्यान से कार्य करते हैं।
3. ज्यादा सोचना एक किस्म की निराशा की तरफ बढ़ता है और आप खुद को सामाजिक और भावनात्मक तौर पर अकेला पाते हैं।
4. अगर आप हेडफोन का एक घण्टे तक इस्तेमाल करते हैं, तो इसका मतलब होता है कि आपके कानों में बैक्टीरिया 700 गुना बढ़ गये हैं।
5. पुरुषों में महिलाओं के मुकाबले ज्यादा छोटी लिखावट पढ़ने की क्षमता होती है, जबकि महिलाएँ सुनने में ज्यादा अच्छी होती हैं।
6. चार्ज होते हुए मोबाइल का इस्तेमाल करने से उसकी बैटरी खराब हो जाती है। यही कारण है कि चार्जर का तार इतना छोटा होता है।
7. सपनों को याद रखना कठिन होता है; क्योंकि दिमाग का वह हिस्सा, जो लम्बी चीजों को याद रखता है, नींद के समय बन्द हो जाता है।
8. डरावनी फिल्में देखने से आप सबसे ज्यादा कैलोरी जलाते हैं, अन्य किसी तरह की फिल्मों के मुकाबले में।

- कु. अंजली श्रीवास्तव
कक्षा-11 (गणित)

पहेलियाँ

❋ नन्द बाबा की नौ–नौ गाय।
रात चरत दिन बेड़े चाय।

❋ पाँच कबूतर पाँच ही रंग।
महल में जाके एके रंग।

❋ अड़ी हयन, खड़ी हयन, लाखन मोती जड़ी हयन।
बाबा फेरे बाग में, दुशाल ओढ़ पड़ी हयन।

❋ हरी बिल्ली सफेद पूँछू।
तुझको न आये तेरे पापा से पूछ।

❋ सफेद रंग के खेत में
काले रंग का हल चलता है।

❋ एक हाँडी में दुई रंग का पानी।
जब घर से सब लोग गये।
तो एक बूढ़ा लटक गया।

उत्तर-तारामण्डल, पान, मक्के का भुट्टा, मूली, कागज़-कलम, अण्डा, ताला

– कु. अंशिता भार्गव
कक्षा–7 अ

❋ घने वन में करता मैं राज,
मेरे सामने गिद्ध करे न आवाज,
मेरे सिर पर है ताज और रुआब,
जंगल का मैं कहलाता सरताज।

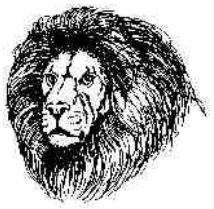

❋ नाक के ऊपर सींग है मेरी पहचान,
कई परतों की है चमड़ी मेरी मोटी,
देख न पाता आँखें हैं कमजोर।

❋ हरे वन में अकेला करुँ काम,
पर मेरा नहीं कोई घर–बार
शरीर की धारियों से पहचानते हो मुझे
नारंगी पर काला तुम से मुझे छिपाता।

उत्तर : सिंह, भारतीय गैण्डा, बाघ

हँसी–ठिठोली

1 पति (पत्नी से) : मुझे नींद नहीं आ रही।
पत्नी : जाओ, जाकर बरतन धो दो।
पति : मैं तो नींद में बोल रहा हूँ पगली!

2 सहेली (चिंकी से) : तेरे कमरे में हर तरफ कपड़े बिखरे पड़े हैं, इन्हें अलमारी में क्यों नहीं रखती।
चिंकी : क्या करूँ, जिससे कपड़े माँगे हैं, उससे अलमारी माँगने में शर्म आती है।

3 चिण्टू : पापा, शराब न पीया करो।
पापा : बेटा, पी लेने दे, साथ क्या ले जाना है।
चिण्टू : अगर इसी तरह पीते रहे, तो छोड़ के भी कुछ नहीं जाओगे।

4 रमेश : तुम आज यह पार्टी क्यों दे रहे हो ?
सुरेश : ओये, मेरा स्कूटर गुम हो गया इसलिए।
रमेश : अरे स्कूटर गुम होने पर कौन–सी खुशी की बात है।
सुरेश : अरे, खुशी की तो बात है! अगर मैं स्कूटर पर बैठा होता, तो मैं भी गुम हो जाता।

5 टीचर : चाँद पर पहला कदम किसने रखा ?
पप्पू : नील ऑर्मस्ट्रांग ने।
टीचर : और दूसरा ?
पप्पू : दूसरा भी उसी ने रखा होगा, लँगड़ी टाँग खेलने थोड़ी गया था वो।

6. पापा (बेटे से) : बेटा, तुम तकिए के नीचे चीनी लेकर क्यों सोते हो ?
बेटा : ताकि मुझे मीठे सपने आ सकें।

7. टीचर (बंटी से) : मुझे यह सोचकर हैरानी होती है कि तुम इतनी सारी गलतियाँ अकेले करते हो ?
बंटी : नहीं सर, मैं अकेले नहीं करता, इसमें मेरे पापा ने भी काफी मदद की है।

8. टीचर (बच्चे से) : कैसे साबित करोगे कि गाजर खाने से आँखें खराब नहीं होतीं।
बच्चा : जी सर, खरगोश को कभी आपने चश्मा लगाते देखा क्या ?

– कु. दिव्या श्रीवास्तव, कक्षा–6ब (डॉल्फिन)

कैरियर मार्गदर्शन

रसायन दें रोजगार

इंजीनियरिंग की एक शाखा है केमिकल इंजीनियरिंग, जिसमें इन दिनों कैरियर के नये-नये ऑप्शंस खुलने लगे हैं। जैसे-जैसे इस फील्ड का दायरा बढ़ रहा है। प्रोफेशनल्स की डिमाण्ड भी बढ़ती जा रही है।

वर्क प्रोफाइल –

केमिकल इंजीनियरिंग का मुख्य काम विभिन्न केमिकल्स और केमिकल प्रॉडक्ट्स के निर्माण में आने वाली समस्याओं को सुलझाना है। इस फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स पेट्रालियम, रिफाइनिंग, फर्टिलाईजर टेक्नोलॉजी, फूड एण्ड एग्री प्राडक्ट प्रोसेसिंग, सिन्थेटिक फूड, पेट्रो केमिकल्स, सिन्थेटिक फाईबर्स, कोयला, खनिज उद्योग और एन्वार्यमेन्टल इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। इस फील्ड में एक्सपर्ट होने के लिए आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की भी पढ़ाई करनी होती है। कुछ केमिकल इंजीनियर ऑक्सीडेशन, पॉलीमराइजेशन या प्रदूषण-नियन्त्रण जैसे फील्ड में भी एक्सपर्ट हो जाते हैं।

कहाँ है स्कोप –

कोर्स के बाद के सबसे ज्यादा नौकरियाँ केमिकल प्रोसेसिंग, मैन्युफेक्चरिंग, प्रिन्टिंग, फूड एण्ड मिल्क इण्डस्ट्री में होती है। इसके अलावा आप मिनरल इण्डस्ट्री, पेट्रोकेमिकल प्लाण्ट्स, फार्मास्युटिकल, सिन्थेटिक फाइबर्स, पेट्रोलियम रिफाइनिंग प्लाण्ट्स, डाई, पेण्ट, वार्निश, औषधि निर्माण, टेक्सटाइल, डेयरी, प्लास्टिक इण्डस्ट्री आदि में रोजगार पा सकते हैं। शोध में रुचि रखने वाले रिसर्च का काम सम्भाल सकते हैं।

प्रायवेट और सरकारी क्षेत्र में भी केमिकल इजीनियरिंग से सम्बन्धित जॉब्स की कमी नहीं है। केमिकल इंजीनियर को प्रयोगशाला जैसे - सरकारी प्रयोगशाला, उद्योग शोध-संघ, निजी परामर्श-केन्द्र, विश्वविद्यालय शोध-दल में भी तरह-तरह के कार्य एवं अनुसन्धान करने पड़ते हैं। इसके अतिरिक्त, वे मैन्युफेक्चरिंग इण्डस्ट्री में विश्लेषण, निर्माण-सम्बन्धी कार्य भी देखते हैं।

कैस मिलती है एन्ट्री –

इस फील्ड में एन्ट्री के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है। अच्छे कॉलेज में एडमिशन के लिए ऑल इण्डिया लेवल पर होने वाली एन्ट्रेस एक्जॉम को क्वालीफाई करना जरुरी होता है। एग्जाम क्लीयर करने के बाद आईआईटी, बीएचयू के अलावा कुछ अन्य बड़े इंजीनियरिंग कॉलेज में मैरिट के आधार पर एडमिशन मिल जाता है। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों के अलग-अलग इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए राज्य-स्तरीय-प्रवेश परीक्षा के जरिये एडमिशन लिया जा सकता है।

स्किल्स –

साइंस में दिलचस्पी रखने वाले स्टूडेण्ट्स के लिए केमिकल इंजीनियरिंग फील्ड कॉफी आकर्षक है। चूँकि यह रिसर्च वर्क से जुड़ा क्षेत्र है, इसलिए इसमें कैरियर बनाने वाले स्टूडेण्ट्स को परिश्रमी, धैर्यवान् और लम्बे समय तक अकेले काम करने के लिये तैयार रहना चाहिये। साथ ही, एनालिटिकल स्किल, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल और कम्प्यूटर का अच्छा नॉलेज होना भी जरूरी है।

कोर्स –

केमिकल इंजीनियरिंग में अनेक कोर्स उपलब्ध हैं। जैसे –

- डिप्लोमा इन केमिकल इंजीनियरिंग,
- बैचलर ऑफ साइंस इन केमिकल इंजीनियरिंग,
- बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन केमिकल इंजीनियरिंग,
- मास्टर ऑफ साइंस इन केमिकल इंजीनियरिंग,
- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इन केमिकल इंजीनियरिंग,
- मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग इन केमिकल इंजीनियरिंग,
- इण्टीग्रेटेड एमटेक इन केमिकल इंजीनियरिंग।

सैलरी –

केमिकल इंजीनियरिंग फील्ड में सैलरी प्रोफेशनल के अनुभव तथा क्वालीफिकेशन को देखते हुए दी जाती है। प्रायवेट सेक्टर में प्रोफेशनल्स को ज्यादा सेलरी ऑफर की जाती है। बतौर फ्रेशर्स कैरियर शुरू करने पर 15 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी ऑफर की जाती है।

बायोटेक्नोलॉजिस्ट की रहेगी भरपूर डिमाण्ड

आने वाले समय में जिस क्षेत्र में सबसे ज्यादा नौकरियों के विकास की उम्मीद है, वो बायोटेक्नोलॉजी का ही फील्ड है। इसके जरिये इंसानों, जानवरों और पौधों में तरह-तरह के प्रयोग हो रहे हैं। जो भविष्य को एक नयी दिशा देंगे। बायोटेक्नोलॉजी के विशाल क्षेत्र में कई विषय आते हैं, जिनमें जेनेटिक्स, बायोकेमिस्ट्री, माईक्रोबायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, वायरोलॉजी, मालीक्यूलर, इंजीनियरिंग आदि मुख्य हैं। इसके अलावा मेडिसन, एग्रीकल्चर और एन्वॉयरमेंट में भी इसका दखल बढ़ रहा है।

मेन कोर्सेस : पाँच वर्षीय एम.एस.सी./ एम.टेक. कोर्स 1964-65 में कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी, बायोटेक का फुलटाइम कोर्स शुरु करने वाली देश की पहली यूनिवर्सिटी थी। इन दिनों बॉयोटेक का बैचलर, मास्टर्स, रिसर्च प्रोग्राम चलाने वाले कॉलेजों की लिस्ट काफी लम्बी है। आप बी.एस.सी., बी.टेक., एम.एस.सी., एम.टेक., एम.फिल. या पी.एच.डी. करके इसमें आगे बढ़ सकते हैं। सभी कोर्सेस में एडमिशन के लिए क्राइटेरिया और प्रोसेस अलग-अलग हो सकते हैं। जैसे एम.एस.सी. के लिए आपको किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से बायोलॉजी या उससे जुड़े अन्य विषय में बी.एस.सी. होना चाहिये। एम.एस.सी. में दाखिला पाने की मुख्य प्रवेश-परीक्षाएँ हैं :- ऑल इण्डिया बायोटेक्नोलॉजी एन्ट्रेन्स टेस्ट, जिसे जे.एन.यू. कराता है। इसे पास करने के बाद आप देश की 32 यूनिवर्सिटी में से किसी एक में दाखिला ले सकते हैं। इसके अलावा, आई.आई.टी. में प्रवेश पाने के लिये आपको ज्वाइन्ट एडमिशन टेस्ट देना होगा।

पी.एच.डी. - अगर आप शिक्षक या वैज्ञानिक बनने की चाह रखते हैं तो, पी.एच.डी. से बेहतर कुछ और नहीं हो सकता। इसके साथ यू.जी.सी.-जे.आर.एफ. या सी.एस.आई.आर. में अच्छे अंक लाकर भी पी.एच.डी. में प्रवेश को आसान बनाया जा सकता है।

एम.बी.ए. : बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एम.बी.ए. एक नये ऑप्शन के रूप में उभर रहा है। इसकी शुरूआत कुछ वर्षों पहले ही हुई है। एम.बी.ए. (बायोटेक्नोलॉजी) में प्रवेश के लिए आपका बायोलॉजी या इससे जुड़े अन्य विज्ञान विषयों से ग्रेजुएट होना जरूरी है। पुणे यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त एनएमआईएमएस इंस्टीट्यूट में एम.बी.ए. (बॉयोटेक) का कोर्स उपलब्ध है।

कॉलेज सेलेक्शन : एक बेहतरीन बायोटेक्नोलॉजिस्ट बनने के लिए यह जरूरी है कि आप फण्डामेण्ट्ल्स के बारे में बारीकी से जानें। इसके लिए जरूरी है कि आप जिस संस्थान से बायोटेक की पढ़ाई करने जा रहे हैं, उसमें दाखिला लेने से पहले वहाँ की फैकल्टी के बारे में पूरी जानकारी लें। संस्थान में जुड़ने से पहले फैकल्टी की एचीवमेंट के बारे में भी जानकारी आसानी से मिल जाती है। बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च बेस्ड सब्जेक्ट है। ऐसे में कॉलेज में शोध-कार्यों से जुड़ी जरूरी चीजों की क्या व्यवस्था है, इसकी पूरी जानकारी ले लें। इसके अलावा यह भी जानना जरूरी है कि उद्योग जगत में उस संस्थान की क्या इमेज है। वहाँ से निकले छात्र-छात्राएँ मौजूदा समय में किन-किन कम्पनियों में काम रहे हैं।

ग्रोइंग फील्ड : अपने देश की बात करें, तो यहाँ बायोटेक्नोलॉजी में नौकरियाँ उपलब्ध कराने वाले तीन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पहला है- मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी, दूसरा-एग्रीकल्चर बायो-टेक्नोलॉजी और तीसरा-बायो फ्यूल।

मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी - इसके अन्तर्गत आने वाली कम्पनियों को तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। पहले वर्ग में वे कम्पनियाँ आती हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र में नया-नया कदम रखा है और ये एक फील्ड या प्रोडक्ट तक सीमित हैं। दूसरे वर्ग में फार्मास्युटिकल कम्पनियाँ आती हैं, जिन्होंने बायोटेक के क्षेत्र में अच्छा-खासा नाम कमा लिया है और जिनकी मौजूदगी विदेशी धरती पर भी है, जैसे डॉ. रेड्डी लेबोरेट्री, रैनबेक्सी आदि। तीसरे वर्ग में आती हैं वे कम्पनियाँ, जो सिर्फ शोध-कार्यों से जुड़ी हैं और किसी एक उत्पाद तक सीमित नहीं हैं। इनकी कोई सीमा तय नहीं है और ये विशाल क्षेत्र को कवर करती हैं। इन तीनों ही वर्गों की कम्पनियों में हर वर्ष लाखों रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं।

एग्रीकल्चर बायोटेक्नोलॉजी - कृषि प्रधान देश होने के नाते भारत में एग्रीकल्चर बायोटेक का खासा महत्त्व है। कम जमीनमें ज्यादा पैदाइश और उस पर भी जमीन की उर्वरा शक्ति दिनों-दिन बढ़े, इस प्रकार के शोध कार्य बायोटेक का हिस्सा होते हैं। एग्रीकल्चर बायोटेक में बायोलॉजिस्ट का मुख्य कार्य है, अधिक प्रभावशाली बीजों का निर्माण और साथ-साथ उन्नत किस्म की खाद और अन्य संयन्त्रों का निर्माण, जिससे कृषि को और भी प्रगतिशील बनाया जा सके। इसके अलावा, बायोफर्टिलाईजर और बायोपेस्टीसाईड इण्डस्ट्री में भी कुशल लोगों की माँग बढ़ रही है।

बायोफ्यूल : इन दिनों सम्पूर्ण विश्व में ईधन की बढ़ती माँग एक गम्भीर समस्या बनती जा रही है। जिसे खत्म करने के लिए बायोफ्यूल कारगर उपाय के रूप में चर्चा का विषय है। बायोफ्यूल का उत्पादन बायोटेक का अभिन्न हिस्सा है, जिसके जरिये तरह-तरह के रसायनों, सब्जियों यहाँ तक कि गोबर, सीवेज और अन्य कई चीजों से ईंधन का निर्माण किया जा रहा है। इसमें भी बायोटेक्नोलॉजिस्ट मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इन सभी रिसर्च बेस्ड प्रयोगों के आधार पर कहा जा सकता है कि बायोटेक का भविष्य उम्मीदों से भरा हुआ है।

मुख्य संस्थान :

- जे.एन.यू., नई दिल्ली www.jnu.ac.in
- बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल www.bubhopal.nic.in
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र www.kuk.ac.in
- पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर www.prsu.ac.in

रिक्तियाँ

क्रियाशील प्रगति परिषद, गंजबासौदा द्वारा संचालित प्रकल्प

नवांकुर विद्यापीठ उ.मा.वि., गंजबासौदा (म.प्र.)

हिन्दी माध्यम विद्यालय - कक्षा केजी- । से 12 वीं तक

क्र.पदनाम	रिक्त पद	न्यूनतम योग्यता
1. व्याख्याता (वाणिज्य / भौतिक शास्त्र)	02	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर एवं बी.एड.
2. उ.श्रे.शि. (सा.विज्ञान)	01	संबंधित विषय में स्नातक एवं बी.एड.
3. सहायक शिक्षक	03	स्नातक एवं डी.एड. या समकक्ष
4. कम्प्यूटर शिक्षक	02	कम्प्यूटर विषय में स्नातक
5. पुस्तकालय सहायक	01	बी.लिब.
6. कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	स्नातक एवं डी.सी.ए./पीजीडीसीए (हिन्दी, अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान आवश्यक)
7. पी.टी.आई.	01	शारीरिक शिक्षा में स्नातक

DOLPHIN The School of Wisdom

Ganj Basoda Dist. Vidisha Ph-07594-222644

English Medium - Nursery to High School

1. Asst. Teacher	15	Higher Secondary (10+2) & Fluency in English
2. UDT (So.Sc.)	01	Graduation in concerning subject.
3. UDT (English)	01	Graduation in Enlgish.

Navankur School of Computer Science, Ganj Basoda

1. Computer Teacher	01	PG (Computer)

Note - Trained candidates will be preferred.

आवेदन हेतु सम्पर्क करें -नवांकुर भवन, बरेठ रोड, गंजबासौदा, जिला विदिशा, (म.प्र.)

दूरभाष : 07594-221066 (नवांकुर) 222644 (डॉल्फिन)

कार्यालयीन समय - सुबह 9 से दोप. 12 बजे तक www.navankurvidyapeeth.org Email- nvpbsd_2007@rediffmail.com

आवेदन की अंतिम तिथि - 16 मई 2015

नोट : सभी कर्मचारियों का ई.पी.एफ. कटोत्रा किया जाता है।

(क्रियाशील प्रगति परिषद द्वारा संचालित) रजि. नं. M.P.227/01/8/2003

नवांकुर संगीत-विद्यालय

(वर्ष 2003 से संचालित)

प्रयाग-संगीत-समिति इलाहाबाद से सम्बद्ध

विगत वर्षों की तरह अब शास्त्रीय संगीत के साथ
सुगम संगीत सीखने का स्वर्णिम अवसर
1 अप्रेल से .....

ग्रीष्मकालीन संगीत कक्षाएँ प्रारम्भ

समय - प्रातः 8 से 11 बजे तक

नवांकुर संगीत विद्यालय की दशहरा उत्सव में प्रस्तुति

- 22 छात्र/छात्राएँ ``प्रभाकर'' उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।
- 9 छात्र/छात्राओं ने ``बालरंग उत्सव'' में राज्य स्तर पर भागीदारी की।
- 300 से अधिक छात्र/छात्राएँ विभिन्न मंचों पर अपना कौशल दिखा चुके हैं।

अब आपके पाल्य / पाल्या भी सीखेंगे -

गायन

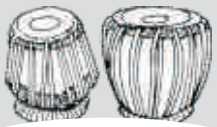

तबला वादन

हारमोनियम वादन

★ शीघ्रता करें - स्थान सीमित ★ दिनांक 1 अप्रेल से प्रवेश प्रारम्भ

प्रवेश हेतु सम्पर्क करें:

नवांकुर-मुख्य भवन, बरेठ रोड, गंज बासौदा,

सम्पर्क समय : प्रातः 8 से दोप. 12 बजे तक, फोन : 07594-221066 , 9753609971 (संगीत प्रभारी-रामकिशन राठौर)

visit at : www.navankurvidyapeeth.org, email : nvpbsd_2007@rediffmail.com

विधायक महोदय द्वारा क्रमशः पत्रिका का विमोचन

राज्यस्तरीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गणतन्त्र दिवस पर पुरस्कार वितरण

शासन द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में नवांकुर के प्राचार्य अपने विचार व्यक्त करते हुए

किट्टू प्रिन्टर्स - 9827724800

नवांकुर के स्काउट छात्र हुए शिक्षामन्त्री द्वारा पुरस्कृत

बाल विज्ञान कॉंग्रेस में सम्मिलित नवांकुर का ग्रुप

भारत पर्व में उत्कृष्ट प्रस्तुति के जिले में सम्मानित नवांकुर का ग्रुप

बाल विज्ञान कॉंग्रेस में सम्मिलित डॉल्फिन का ग्रुप

बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में बाल भोज का आयोजन

अरुंधति पुरस्कार 2015 के लिए कु. दीपा चौरसिया को पुरस्कृत किया गया

गणतन्त्र दिवस समारोह में डॉल्फिन के बच्चे हुए पुरस्कृत

गणतन्त्र दिवस समारोह में नवांकुर के बच्चे हुए पुरस्कृत

विधायक महोदय ने राज्य स्तर पर भागीदारी करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया

भारत पर्व पर जिले स्तर पर नवांकुर के बच्चों की प्रस्तुति

दीप पर्व पर विद्यालय में हुआ दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

दीप पर्व पर विद्यालय में हुआ दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

कैरियर प्रकोष्ट द्वारा कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

रासेयो द्वारा वार्षिक विशेष शिविर का आयोजन